चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 142 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
15 नवंबर 2024
शुक्रवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

छात्र अब भी आंदोलन पर डटे सांसत में योगी सरकार

प्रयागराज. एजेंसी

उप्र लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के झुकने के बाद भी प्रतियोगी छात्रों का धरना प्रदर्शन और आंदोलन जारी है। छात्र आयोग के गेट के सामने डंटे हुए हैं और हटने के लिए तैयार नहीं हैं। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा भी एक दिन में कराने की घोषणा की जाए, तभी उनका आंदोलन पूरी तरह से खत्म होगा। छात्रों की मांग यह है कि जिस तरह से पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को एक शिफ्ट में कराने की घोषणा की गई है, उसी तरह आरओ-एआरओ परीक्षा भी वन डे वन शिफ्ट में कराने का लिखित आश्वासन दिया जाए, तभी वह धरना खत्म करेंगे।

आज देव दीपावली के साथ त्योहार का समापन

नईदिल्ली. एजेंसी

कार्तिक पूर्णिमा का त्योहार आज मनाया जा रहा है। इसे देव दीवाली भी कहा जाता है तथा आज के बाद दीपवली त्योहार का समापन भी माना जाता है। इस दिन नदियों में दीप प्रवाहित किये जाते हैं। आज इस अवसर पर श्रद्धालु गंगा घाटों पर स्नान कर रहे हैं। स्नान को लेकर नगर के मठ-मंदिरों व धर्मशालाओं में श्रद्धालुओं की भीड़ है। मुख्य पर्व की पूर्व संध्या पर सरयू के स्नान घाट से प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए दर्शनार्थियों की कतारें लगी रहीं। ड्रोन के साथ ही सादी वर्दी में सुरक्षा कर्मी पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। वारामसी में भी गंगा घाटों पर भारी भीड़ है। कार्तिक पूर्णिमा स्नान का मुहूर्त 15 नवंबर की सुबह 4.37 बजे से शुरू होकर 16 नवंबर की सुबह 2.29 बजे तक रहेगी।

शहडोल में कार्यक्रम, वर्चुअल जुड़े पीएम, दो ट्राइबल फ्रीडम फाइटर म्यूजिम का उद्घाटन

आदिवासी अस्मिता की पिच पर सियासी बैटिंग

चुनावी माहौल में खास बनी बिरसा मुंडा जयंती, दिल्ली से झारखंड तक आदिवासियों पर फोकस

नई दिल्ली/शहडोल, दोपहर मेट्रो.एजेंसी

दो राज्यों झारखंड व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच आज बिरसा मुंडा जयंती भी बहुत खास हो गई है। आदिवासी समाज में भगवान का दर्जा रखने वाले बिरसा मुंडा की आज 150वीं जयंती है। झारखंड में तो आदिवासी मतदाता ही निर्णायक हैं। लिहाजा आज आदिवासी अस्मिता की पिच पर भारतीय जनता पार्टी पूरी ताकत से खेलने की कोशि में हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार के जमुई में पहुंचे बिरसा मुंडा की जयंती पर बड़ा आयोजन हो रहा है वे मप्र के शहडोल में मप्र सरकार के आयोजन में भी ऑनलाइन जुडे और संबोधित किया। इस कार्यक्रम में मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल व मुख्यमंत्री मोहन यादव मौजूद रहे। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शहडोल में कार्यक्रम में कहा कि बिरसा मुंडा के आजादी के संघर्ष में बडा योगदान रहा है। उन्होंने आदिवासी समाज को जल जंगल व जमीन के अधिकार के लिये भी संघर्ष किया था। अनाचार के खिलाफ लड़ाई लडी और ईसाई मिशनरियों के खिलाफ भी खडे हुए ताकि धर्मांतरण को रोक जा सके।

आदिवासियों के योगदान को नजरअंदाज किया: मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के बाद आदिवासियों के योगदान को नजरअंदाज करने की कोशिश की गई थी। इसकी वजह स्वार्थपूर्ण राजनीति रही,ताकि एक ही दल और एक ही परिवार को इसका श्रेय दिया जा सके। मोदी ने कहा कि आज के आयोजन की जरूरत ही इसीलिये पडी ताकि आदिवासियों को योगदान को सराहा व रेखांकित किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिये 11लाख करोड के कामकाज की शुरूआत व लोकार्पण हो रहे हैं। आदिवासी क्षेत्रों में सड़के,स्वास्थ्य सुविधा,पक्के मकान,

म्युजियम आदि सुविधा दी जा रही हैं। आज 11 हजार आदिवासी परिवार पक्के मकों में प्रवेश कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि आज पूरे देश में जिलास्तर तक कार्यक्रम हो रहे हैं। आज बहुत पवित्र दिन है।

आदिवासी लैंड साधने की कोशिशें

बिहार और दिल्ली से भी आदिवासी लैंड को साधने की कोशिश जारी हैं। दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया, पूरे एक साल तक विविध आयोजनों की बात कही। झारखंड में भाजपा रोटी-बेटी और माटी के मुद्दे पर झारखंड मुक्ति मोर्चा को घेर रही है। अब चुनावों के बीच जनजातीय गौरव दिवस के जरिये आदिवासी समाज को साधने की कवायद में भाजपा के साथ ही कांग्रेस भी है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी ने भी इस दिन की शुभकामनायें दी है और जल जंगल जमीन के लिये बिरसा के योगदान को या किया।

सराय काले खां चौक का नाम बदला

आज बिरसा मुंडा जयंती पर दिल्ली में सराय काले खां चौक का नाम बदल दिया गया है। अब इसे बिरसा मुंडा चौक के नाम से जाया जाएगा। गृहमंत्री अमित शाह ने इसका ऐलान किया है।

बांग्लादेश में अब इस्कान का विरोध, निशाने पर कई अल्पसंख्यक हिन्दू

ढाका. एजेंसी

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से जाने के बाद लगातार सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। कट्टरपंथियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं का जीना मुश्किल कर रखा है इस कडी में अब चटगांव स्थित इस्लामी संगठन हेफाजत-ए-इस्लाम ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस यानि इस्कान पर बैन लगाने की मांग की है। इस्कॉन उपाध्यक्ष राधारमण दास ने इससे जुड़ा वीडियो शेयर किया है। वहीं लेखिका तस्लीमा नसरीन के सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक चट्टोग्राम में हाल ही में एक रैली के दौरान, 'एक इस्कॉन को पड़ो, फिर कत्ल करो' जैसे हिंसक नारे लगाए गए। दास ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, बांग्लादेशी मुस्लिमों ने मोहम्मद युनुस को इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने का अल्टीमेटम दिया है, नहीं तो वह इस्कॉन भक्तों को पकड़ना और बेरहमी से मारना शुरू कर देंगे।

कर्नाटक में 10 हजार शराब दुकान संचालक हड़ताल करेंगे

बेंगलुरू. एजेंसी

कर्नाटक में शराब व्यापारी हड़ताल पर जा रहे हैं। फेडरेशन ऑफ वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने कहा है कि राज्य के 10,800 से शराब लाइसेंस धारक 20 नवंबर को अपनी दुकानें बंद रखेंगे। यह फैसला आबकारी विभाग में कथित रूप सें व्याप्त भ्रष्टाचार और सरकार द्वारा उनकी मांगों पर ध्यान न देने के विरोध में किया गया है। इस बंद के दौरान सभी निजी शराब की दुकानें बंद रहेंगी, केवल सरकारी दुकानें खुली रहेंगी। एसोसिएशन ने कर्नाटक आबकारी अधिनियम की धारा 29 में संशोधन की भी मांग की है, जो सरकारी अधिकारियों को आबकारी लाइसेंस या परमिट रद्द या निलंबित करने का अधिकार देती है। एसोसिएशन ने कहा कि आबकारी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगना चाहिए और आबकारी का वित्त मंत्रालय में विलय कर देना चाहिए।

143 करोड़ खाते में डाले व नकद वापस लिए

बेरली. एजेंसी

उप्र के बरेली की मीट कारोबारी कंपनियों मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स द्वारा बड़े पैमाने पर मनी लांड्रिंग करने की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करने जा रहा है। इसके पुख्ता सुराग आयकर विभाग को मिले थे। बताते हैं कि दोनों कंपनियों की जांच में सामने आया था कि उन्होंने अपने करीबी की मदद से कई शेल कंपनियां खोली, जिसके कर्मचारियों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खोले गए। कर्मचारियों के नाम पर 143 करोड़ रुपये के चेक काटे गए और उन्हें भुनवाने के बाद कंपनियों की नकदी वापस कर दी गई। दरअसल आयकर विभाग ने दो वर्ष पूर्व मीट कारोबारियों के ठिकानों पर छापा मारा था, जिसमें बरेली की मारिया फ्रोजन और रहबर फूड्स भी शामिल थी।

ईरान के राजदूत की मस्क से गोपनीय मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद पर्दे के पीछे से कई गतिविधियां रोज सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप के करीबी अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत से मुलाकात की है। दोनों की मुलाकात को अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। मुलाकात से वाकिफ ईरानी अधिकारियों ने इसे सकारात्मक बताया। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों की मुलाकात एक अज्ञात जगह पर हुई और दोनों के बीच एक घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत हुई। हालांकि न तो ट्रंप की टीम के सदस्यों ने या फिर ईरान के दूतावास ने इस मुलाकात की पुष्टि की है।

मेट्रो एंकर

ब्रह्मांड की उत्पत्ति के नए राज खुलेंगे

तीन रहस्यमयी आकाशगंगा मिलीं, सूरज से वजनी उम्र 1280 करोड़ साल!

नईदिल्ली, एजेंसी

नासा के जेम्स वेब स्पेस टेलिस्कोप ने अंतरिक्ष में तीन प्राचीन और रहस्यमयी आकाशगंगाएं खोजी हैं। तीनों बिग बैंग के कुछ करोड़ साल बाद ही बन गई थीं। तब से लेकर आज तक ये लाल रंग की चमक रही हैं। तीनों आकाशगंगाएं हमारी आकाशगंगा यानी मिल्की-वे जितनी ही बड़ी हैं। इनकी खोज से ब्रह्मांड की उत्पत्ति के नए राज खुलने के आसार हैं। वैज्ञानिक इन्हें रेड मान्सटर गैलेक्सी कह रहे हैं।

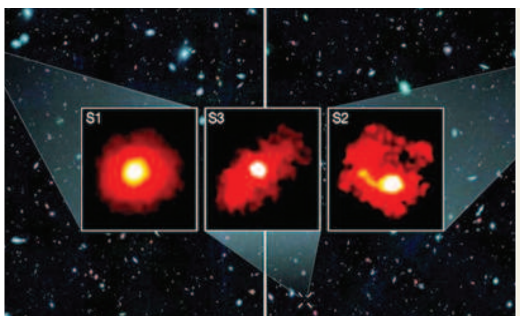

हर एक गैलेक्सी का वजन सूरज के वजन से करीब 10 हजार करोड़ गुना ज्यादा है। तीनों लाल आकाशगंगाओं की उम्र करीब 1280 करोड़ वर्ष है। यानी ये बिग बैंग की घटना के करीब 100 करोड़ साल बाद पैदा हुई थीं। इन लाल आकाशगंगाओं के अंदर मौजूद तारे तेजी से आपस में मिले. इन आकाशगंगाओं की वजह से वैज्ञानिकों को अब नए तरीके से अंतरिक्ष की स्टडी करनी होगी। क्योंकि इन तीनों आकाशगंगाओं ने तारों और गैलेक्सी के निर्माण के प्रोसेस को रहस्यमयी बना दिया है. इनके बारे में 13 नवंबर को ही नेचर जर्नल में रिपोर्ट छपी है। आमतौर पर किसी आकाशगंगा के निर्माण के समय उसके अंदर मौजूद 20 फीसदी गैस से ही तारों का निर्माण होता है. लेकिन इन तीनों आकाशगंगाओं के 80 फीसदी गैस से नए चमकदार तारे बने हैं. जो वैज्ञानिकों को हैरान कर रहा है.

रहस्यमयी और उलझाने वाली गैलेक्सी

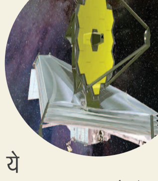

इंग्लैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ बाथ में एस्ट्रोनॉमी के प्रोफेसर और इन आकाशगंगाओं की स्टडी करने वाले स्टिन वुइट्स ने कहा कि ये तीनों विशालकाय हैं. रहस्यमयी हैं. ये अंतरिक्ष के बड़े शैतानों से कम नहीं हैं. ये हमें फिर से अंतरिक्ष, तारों और आकाशगंगाओं के निर्माण की स्टडी करने के लिए उलझा रहे हैं। आमतौर पर जो मान्यता है कि आकाशगंगा डार्क मैटर के विशालकाय गड्ढे में बनती है. इस गड्ढे में मौजूद ताकतवर ग्रैविटी किसी भी चीज जैसे गैस, छोटे पत्थर आदि को अपनी ओर खींचकर उनसे तारे बनाती है. फिर इन तारों के समूह बनते हैं. उनके ग्रह और उपग्रह बनते हैं।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। सामान्य भवन में ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण करते हुए राज्यपाल मंगू भाई पटेल ने चित्रकला के विजेता प्रथम तृतीया तिथि पुरस्कार दिए और दो शिक्षकों का सम्मान किया। फोटो निर्मल व्यास

राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित

राज्य सेवा के दोनों अधिकारियों को विभागों में बड़ा जिम्मा

दो पीएस के बाद अब मुख्यमंत्री कार्यालय से हृदयेश व मनीष बाहर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्यमंत्री कार्यालय में बदलाव जारी है। पहले चरण में अधिकारियों को हटाने पर जोर है। अब तक चार अधिकारियों को बाहर किया जा चुका है। इनमें दो आईएएस और दो राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी शामिल है। सबसे पहले प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ल और राघवेंद्र सिंह को बाहर किया गया था। दोनों को विभागों में बड़ी जिम्मेदारी दी थी। अब मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव रहे हृदयेश कुमार श्रीवास्तव को हटाकर उन्हें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में उप सचिव बनाकर भेज दिया है। वहीं प्रभारी डिप्टी कलेक्टर मनीष श्रीवास्तव विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी थे, जिन्हें प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय भोपाल में प्रभारी उपायुक्त बनाकर भेजा गया है। दोनों के आदेश गुरुवार को हुए।

नए सिरे से होगी जमावट

सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री कार्यालय में नए सिरे प्रशासनिक जमावट होनी है। जिसकी संभावनाएं तलाशी जा रही है। चूंकि मोहन सरकार को एक वर्ष पूरा हो रहा है चार वर्ष और बाकी है। सूत्रों के मुताबिक सरकार चुनाव के पहले बड़ी योजनाओं को जमीन पर उतारकर उनमें परिणाम लाना चाहती है। जिसके लिए जुझारू अधिकारियों की जरुरत है। कुछ अधिकारियों को इसी उम्मीद से मुख्यमंत्री कार्यालय में लाया गया था लेकिन वे उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए तो कुछ से जुड़ी शिकायतें भी मिल रही थी।

वारिस खान की तरह साहस दिखाने वालों को सम्मानित करेगी सरकार

भोपाल। ब्यावरा के वारिस खान की तरह साहस कर लोगों की जान बचाने का काम करने वालों को प्रदेश सरकार हर साल 15 अगस्त को सम्मानित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी कलेक्टरों को इसके निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानवीयता के संरक्षण और कल्याण के लिए एक-दूसरे की मदद जरुरी है, जब जरुरत पड़े, हमें इसके लिए तत्पर रहना चाहिए। वारिस खान ने यही उदाहरण पेश किया है।

वारिस खान की इसलिए हो रही चर्चा: शिवपुरी के रहने वाले जगदीश प्रसाद शर्मा हृदय रोगी है। वह बेटा राजेश व परिवार के साथ बुधवार सुबह इलाज कराने के लिए अपनी कार से भोपाल आ रहे थे। एबी रोड पर ब्रेक चिपकने से कार खंती में जाकर गिर गई। कार में सात लोग बैठे थे, जिनकी जान पर बन आई। यह घटना बीनागंज की ओर जा रहे वारिस खान ने देखी और वे खंती में कूद पड़े। हाथों से कार के कांच तोड़े और 7 लोगों का जीवन बचा लिया। घटना सरकार के संज्ञान में आई तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वारिस से फोन पर बात की और उसके इस साहस को सराहा। बाद में मीडिया को दिए एक बयान में कहा कि वारिस खान ने सच्ची मानवीयता दिखाई। ऐसे वारिस खान की मप्र को जरुरत है। हम सबको उक्त घटना में वारिस के प्रयासों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने वारिस को एक लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा भी की है।

गुरुनानक जयंती

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सुबह भोपाल में गुरु नानक जयंती पर गुरुद्वारे में दर्शन किए।

भोपाल, दोपहर मेट्रो। साकेत नगर के गुरुद्वारा में गुरुनानक जयंती पर अटूट लंगर का आयोजन किया गया।

आजादी के बाद पंडित नेहरू ने देश का संवारा : मारण

ब्लॉक कांग्रेस ने पंडित जवाहर लाल नेहरू जयंती मनाई

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संत हिरदाराम नगर ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती मनाई। कांग्रेसजन जैसे देश की आजादी के बाद नेहरूजी के योगदान को याद किया। मुख्यमार्ग पर नेहरू पार्क स्थित नेहरू प्रतिमा पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्लॉक अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि देश की आजादी के बाद पंडित नेहरू ने देश के नव निर्माण में अहम योगदान दिया। आज का भारत उनके विजन का भारत है। सुई से लेकर बड़े-बड़े उद्योग स्थापित किए। प्रदेश प्रवक्ता त्रिलोक दीपानी ने कहा कि सम्पन्न परिवार से होने के बाद भी नेहरूजी देश की आजादी के लिए 17 माह जेल में रहे।वरिष्ठ कांग्रेस नेता माधु चांदवानी ने कहा नेहरूजी बच्चों से बहुत प्रेम करते थे, उन्होंने अपना जन्म दिन बच्चों को समर्पित किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी ने तथा संचालन महेश गुरबानी ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता राज मनवानी, तेजा सिंह सोड़ी व अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

क्षिप्रा नदी को प्रवाहमान बनाने पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की बैठक में दिए निर्देश

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

करोड़ों खर्च करने के बावजूद क्षिप्रा नदी की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। अब मोहन सरकार का इस नदी को निर्मल व प्रवाहमान बनाने पर जोर है। गुरुवार को वृहद परियोजना नियंत्रण मंडल की 125वीं बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जोर देते हुए कहा कि बारिश में बहने वाली क्षिप्रा के पानी को एकत्रित कर, उस पानी से साधु संतों और आम श्रद्धालुओं को वर्ष भर स्नान कराने का प्रबंध किया जाए। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा समेत अन्य अधिकारी को ये निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी सिंचाई परियोजना क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवाहमान बनाए जाने के लिए निर्मित की जा रही है। परियोजना के तहत 614 करोड़ 53 लाख रुपए की लागत से ग्राम सेवरखेड़ी में बांध बनाया जा रहा है। जिसमें वर्षाकाल के क्षिप्रा नदी के जल को ग्राम सिलारखेड़ी में स्थित सिलारखेड़ी तालाब में एकत्रित किया जाएगा। सिलारखेड़ी तालाब से संग्रहित जल को वर्षाकाल के बाद क्षिप्रा नदी में पुनः प्रवाहित किया जाएगा, ताकि साधु-संत व श्रद्धालुओं को शिप्रा का निर्मल जल स्नान के लिए उपलब्ध हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षिप्रा नदी में स्नान करने का विशेष धार्मिक महत्व है। सिंहस्थ के शुरू होने से पहले सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी सिंचाई परियोजना का निर्माण पूर्ण कराएं। उज्जैन के लोगों को पेयजल की आपूर्ति पूर्ण रूप से हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। विक्रम उद्योगपुरी में पानी की आपूर्ति के लिए अन्य स्रोत की योजना बनाएं।

खुद को कभी भी किसी से कम न समझें, संसाधनों का लाभ लें

नूतन कॉलेज में हुनर से हौसला युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नूतन कॉलेज) में हुनर से हौसला युवा संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संचालक जनसम्पर्क अंशुल गुप्ता माध्यम, शिक्षाविद व उद्यमी डॉ.पल्लवी राव चतुर्वेदी और पर्वतारोही ज्योति रात्रे मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि अंशुल गुप्ता ने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि खुद को कभी भी किसी से कम न समझें और उपलब्ध संसाधनों का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। डॉ. पल्लवी राव चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि हर व्यक्ति के भीतर हुनर छुपा होता है जिसे सतत अभ्यास और मेहनत से निखारा जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को अपने सपनों को साकार करने की प्रेरणा दी। पर्वतारोही ज्योति रात्रे ने 55 वर्ष की उम्र में पर्वतारोहण करने के अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में अपनी ऊंचाइयां होती हैं, जिन्हें दृढ़ निश्चय से हासिल किया जा सकता है।

मेट्रो एंकर

संतनगर के विद्यालयों में बाल दिवस पर हुए कार्यक्रम

बच्चों ने चाचा नेहरू को याद किया, प्रतियोगिताएं हुईं

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के जन्मदिन पर संतनगर में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में चाचा नेहरू की याद में बच्चों के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन हुए। विद्यार्थियों को पुरस्कार और उपहार वितरित किए गए। नवनिध विद्यालय में प्रार्थना सभा में बाल दिवस मनाया गया।

नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों के साथ-साथ मिकी माउस और डोरेमीन जैसे पात्रों ने बच्चों को उत्सवी माहौल दिया। छात्राओं द्वारा जपुजी साहब का पाठ किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं और उपलब्धियां हासिल करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्राचार्य अमृता मोटवानी ने कहा कि बाल दिवस का दिन बच्चों के लिए उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ने का संकल्प लेने का दिन है।

98 बच्चे हुए पुरस्कृत

विद्यासागर पब्लिक स्कूल, राधीबाई हासोमल ख्वांतानी फाउंडेशन स्कूल एवं अर्जन हाथीरामानी प्ले स्कूल में बाल दिवस पर प्री- प्राइमरी के फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 98 बच्चों को पुरस्कृत किया गया। स्कूल के प्रबंधक निर्देशक भगवान दामानी, प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने बच्चों को बाल दिवस की बधाई दी। बच्चों को बताया गया कि पंडित जवाहर नेहरू सबसे अधिक बच्चों से प्यार करते थे, उन्हें देश चाचा नेहरू के नाम से संबोधित करता है।

नेहरू के व्यक्तित्व को रेखांकित किया

साधु वासवानी स्कूल में शिक्षाविदों-समाजसेवियों ने बच्चों को पंडित जवाहर लाल नेहरू के व्यक्तित्व के बारे में बताया। शिक्षाविद विष्णु गेहानी, सिंधी सेंट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, पूज्य सिंधी पंचायत गुलाब जेठानी ने अपने विचार रखे। अतिथियों ने कहा कि चाहे स्वच्छता अभियान हो, पढ़ाई का क्षेत्र हो, आज सभी क्षेत्रों में बच्चे खुद को साबित कर रहे हैं।

नन्हे-मुन्ने पुरस्कृत हुए बाल दिवस की उमंग

केवलराम चैनराय पब्लिक स्कूल एवं कला लक्ष्मणदास वेसिमल गनवानी फाउंडेशन स्कूल, भोपाल में शिक्षकों ने अनेक रोचक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। संगीत शिक्षिकाओं ने प्रेरणादायक गीत प्रस्तुत किया। हास्य नाटक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' और 'खिचड़ी' के दृश्य शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा मंचित किए गए। खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

बचपन की यादें साझा कीं

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में चिल्ड्रन डे मनाया गया। छात्राओं को विशेष बुकमार्क्स वितरित किए गए, जिन पर बाल दिवस का संदेश लिखा था। छात्राओं ने आपस में मिठाई बांटकर मित्रता और प्रेम का संदेश दिया। कॉलेज छात्राओं ने अपने बचपन की यादों को साझा किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ.डालिमा पारवानी ने कहा कि बचपन के समय में हर दिन एक नई खोज, हर क्षण एक नया अनुभव होता है। उसी प्रकार युवावस्था में हमारी जिज्ञासाओं का समाधान स्वाध्याय के माध्यम होता है।

यहां भी हुए आयोजन

- लाइफ लाइन स्कूल बैरागढ़ कला और संत नगर में बाल दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने केक काटकर चाचा नेहरू का जन्म दिन मनाया। सेवानिवृत्त प्राचार्य मधु लालवानी, स्कूल संचालिका किरण वाधवानी ने बच्चों को उपहार दिए। - ज्वाला कॉन्वेंट स्कूल में बाल दिवस पर बाल उत्सव मेले का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगिताओं के आयोजन किए गए। स्कूल संचालक राज बतरा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

जनजातीय अधिकारों के प्रहरी एवं महान स्वतंत्रता सेनानी
भगवान बिरसा मुंडा
की 150वीं जयंती के अवसर पर
जनजातीय गौरव दिवस
15 नवम्बर, 2024
कार्यक्रम
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी
द्वारा
सम्बोधन एवं
राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह जनजातीय संग्रहालय, जबलपुर तथा श्री बादल भोई जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय, छिंदवाड़ा का
लोकार्पण
(शहडोल में वर्चुअल माध्यम से)
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
गरिमामयी उपस्थिति
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
पूर्वाह्न 10:30 बजे, शहडोल
अपराह्न 1:00 बजे, धार
मंगुभाई पटेल, राज्यपाल
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D11101/24
सशक्त होता जनजातीय समाज
• विशेष पिछड़ी जनजाति के युवाओं को सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस सेवाओं में भर्ती के लिये प्रशिक्षण हेतु जनजातीय बटालियन गठित करने का निर्णय
• यूपीएससी, पीएससी, सिविल जज, गेट, केट आदि के लिए निःशुल्क कोचिंग का निर्णय
• विदेश में उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए प्रत्येक वर्ष 50 विद्यार्थियों को छात्रवृति का लक्ष्य
• आकांक्षा योजना में जेईई, क्लैट, नीट जैसी परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग
• 89 जनजातीय विकासखंडों में पेसा नियम लागू। जनजातीय भाई-बहनों को मिला जल, जंगल, जमीन, मजदूरी, संस्कृति और विरासत के संरक्षण का अधिकार
• पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में ₹ 7 हजार 300 करोड़ से अधिक के अधोसंरचना कार्य जारी। 11 लाख से अधिक को लाभ
• मुख्यमंत्री राशन आपके द्वार योजना से आजीविका और राशन दोनों सुनिश्चित
• सिकल सेल हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन सभी 89 जनजातीय विकासखंडों में लागू
• तेंदूपत्ता संग्राहकों का मानदेय ₹3000 प्रति बोरा से बढ़कर हुआ ₹4000
• आहार अनुदान योजना में विशेष पिछड़ी जनजातियों की बहनों के खाते में जनवरी, 2024 से लेकर अब तक ₹325 करोड़ की राशि अंतरित
#जनजातीय_गौरव_दिवस_MP
सीधा प्रसारण
https://pmindiawebcast.nic.in/
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2024

संपादकीय

नाकाम प्रयासों की गवाही

महंगाई वह दंश है जो देश के हर आम नागरिक को सता रहा है। यह अब और पीडाजनक हुआ है और खुद सरकारी आंकडे इसकी गवाही दे रहे हैं। खुदरा महंगाई अक्तूबर महीने में बढ़कर पिछले चौदह महीनों के सबसे ऊंचे स्तर पर जो है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान से भी ऊपर, 6.2 फीसद दर्ज हुई। रिजर्व बैंक काफी समय से खुदरा महंगाई को चार फीसद पर लाने की कोशिश कर रहा है। इसीलिए छह बार से वह अपनी मौद्रिक नीति को यथावत रखते हुए रेपो रेट को साढ़े छह फीसद पर बनाए हुए है। इसलिये रिजर्व बैंक को अनुमान था कि अक्तूबर में खुदरा महंगाई कुछ बढ़ेगी, मगर छह फीसद से ऊपर चले जाने का उसे अनुमान नहीं था। ताजा बढोतरी की वजह खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी बताई जा रही है। हालिया राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक अक्तूबर महीने में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खाने-पीने की चीजों की महंगाई 10.87 फीसद रही, जो कि पिछले पंद्रह महीनों में सबसे अधिक है। हालांकि त्योहारी मौसम होने के कारण औद्योगिक उत्पादन में कुछ बढ़ोतरी दर्ज हुई और वह 3.1 फीसद पर पहुंच गया है, जबकि अगस्त महीने में इसमें चिंताजनक गिरावट दर्ज हुई थी। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि थोक और खुदरा महंगाई के बीच किस कदर अंतर और असंतुलन है। खुदरा महंगाई की मार सबसे अधिक निम्न और मध्यम आयवर्ग पर पड़ती है। रोजमर्रा उपयोग होने वाली वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी बहुत सारे लोगों के दैनिक उपभोग और उनके पोषण पर प्रतिकूल प्रभाव छोड़ती है। अनुमान है कि अभी कम से कम एक वर्ष तक खुदरा महंगाई के रुख में नरमी के आसार नहीं हैं। यानी बैंक दरों में बदलाव की आस लगाए लोगों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। रिजर्व बैंक का तर्क है कि बैंक दरें ऊंची रखने से महंगाई पर काबू पाने में काफी मदद मिली है। मगर पिछली छह मौद्रिक समीक्षाओं में इसका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया है। दरअसल, सरकार तदर्थ उपायों से मुद्रास्फीति पर काबू पाने का प्रयास कर रही है। हकीकत यह है कि लोगों की क्रयशक्ति लगातार घटी है। रोजगार के अवसर सिकुड़ते गए हैं। घरेलू मांग और निर्यात घटने से औद्योगिक उत्पादन में भी उतार नजर आता है। इस तरह वहां भी रोजगार के अवसर छीज रहे हैं। लोगों के पास रोजगार नहीं होगा, तो उनकी क्रयशक्ति भी नहीं बढ़ेगी। क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तो बाजार में पूंजी का प्रवाह नहीं बढ़ेगा। ऊपर से, खाने-पीने की कीमतें आसमान छू रही हैं। खुदरा महंगाई बढ़ने के पीछे आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का तर्क दिया जाता है। यह ठीक है कि दुनिया में कई देशों के बीच संघर्ष चलने की वजह से तेल की कीमतों पर भी असर पड़ा है, मगर पिछले काफी समय से हमारे देश में इसका कोई खास दबाव नजर नहीं आ रहा। फिर, खाने-पीने की चीजों की कीमतें ऐसे मौसम में बढ़ रही हैं, जब बाजार में फसलों की भरपूर आवक रहती है। मौसमी फलों और सब्जियों की कीमतें भी आम आदमी की क्षमता से बाहर चली गई हैं।एक सच्चाई तो यह भी है कि आंकड़ों में जो महंगाई नजर आती है, धरातल पर वह उससे कहीं अधिक होती है। इसकी व्यावहारिक समीक्षा और उस पर कारगर कदम उठाने की पहल होनी चाहिए। इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है कि एक तरफ ऊंची विकास दर की खुशियां मनाई जा रही हैं और दूसरी तरफ खाद्य पदार्थों की कीमतें आम लोगों की क्षमता से बाहर होती जा रही हैं तथा रोजगार के मौके सिकुड़ते जा रहे हैं।

सच्चा पुत्र आज्ञाकारी होता है, सच्चा पिता प्रेम करने वाला होता है, और सच्चा मित्र ईमानदार होता है।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1830- समाज सुधारक राजा राममोहन राय इंग्लैंड के लिए रवाना हुए।
- 1920- जिनेवा में लीग ऑफ नेशंस की पहली बैठक आयोजित की गई।
- 1936- नाजी जर्मनी और जापान के बीच कोमिंट्रन विरोधी संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- 1947- विश्व स्वास्थ्य संगठन संयुक्त राष्ट्र का विशिष्ट अभिकरण बन गया।
- 1949- महात्मा गांधी की हत्या के दोषी नाथूराम गोडसे और नारायण दत्तात्रेय आप्टे को फाँसी दी गई।
- 1955- पोलैंड और यूगोस्लाविया के बीच व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर।
- 1961- संयुक्त राष्ट्र ने परमाणु हथियारों पर रोक लगाई।
- 1988- पीएलओ के अध्यक्ष यासिर अराफात द्वारा फ़िलिस्तीन स्वतंत्र राष्ट्र घोषित।
- 1989- पाकिस्तान के कराची में वकार यूनुस और सचिन तेंदुलकर ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया।
- 1998- अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने अपना एशियाई देशों भारत एवं पाकिस्तान का दौरा रद्द किया।
- 2000- फिजी में तख्तापलट अवैध घोषित। झारखंड भारत का 28वां राज्य बना।
- 2001- अलकायदा के ठिकाने से परमाणु बम बनाने सम्बन्धी दस्तावेज मिले।
- 2003- तुर्की के इस्ताम्बुल शहर में यहूदियों के प्रार्थना स्थल के पास बम विस्फोट में 16 लोगों की मृत्यु और 150 घायल।
- 2004- आस्ट्रेलिया के नामकरण की दो सौवीं वर्षगांठ मनी।
- 2007- चिली में 7.7 तीव्रता का भीषण भूकम्प आया।
- 2008- भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गर्वनर वाई वेणुगोपाल रेड्डी को वैश्विक वित्तीय प्रणाली में सुधार की जाँच के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा गठित टास्क फोर्स में शामिल किया गया।
- 2012- शी जिनपिंग चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव बने।

निशाना

आंकना ना कम !

-कृष्णेन्द्र राय

होने लगे दावे ।
बहने लगी बयार ।।
जीतेगा गठबंधन ।
तय मिलना है प्यार ।।
आंकना ना कम ।
ला रहे सुधार ।।
सजग हो कर उनसे ।
रहना खबरदार ।।
है कोशिश भरपूर ।
एड़ी चोटी ज़ोर ।।
देख कर ये दुर्दशा ।
हुए भावविभोर ।।
देकर एक मौका ।
लें हमको संभाल ।।
वरना होंगे सारे ।
और भी बेहाल ।।

देश की तरक्की में बाधक हैं मुफ्त की 'रेवड़ियां'

■ क्षमा शर्मा

पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में अपने ही दल की सरकार की यह कहकर आलोचना की कि जो चुनावी वादे पूरे नहीं किए जा सकते, उन्हें न करें। वजह यह है कि सरकार बन जाने पर उन्हें पूरा करने में कठिनाई आती है। उनका आशय मुफ्त की उन योजनाओं से था, जिन्हें पूरा करने में सरकारी खजाने को खाली होने का डर होता है। हिमाचल प्रदेश के बारे में अभी खबर आई ही थी कि वहां सरकारी खजाने का हाल यह है कि सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए संसाधन जुटाने में दिक्कत आ रही है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार ही है। लेकिन पक्ष-विपक्ष के नेताओं को चुनाव जीतने से मतलब होता है। सोच लिया जाता है कि बाद की बाद में देखेंगे। इसलिए खड़गे के बयान पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

अरसे से देख रहे हैं कि सभी दल, जनता उन्हें वोट दे, वे किसी न किसी तरह चुनाव जीत जाएं, इसके लिए मुफ्त में सब कुछ देने का वादा करते हैं। वे भूल जाते हैं कि अपने ही किए गए वादों के जाल में फंस सकते हैं। फंसते हैं, तभी तो खड़गे ने ऐसा बयान दिया। एक बार तमिलनाडु से आने वाली घरेलू सहायिका ने बताया था कि महीने भर का राशन- अनाज, चावल, दालें, तेल, मसाले आदि सब चीजें मुफ्त में हर एक के घर पहुंचा दी जाती हैं। महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त है। चुनावी घोषणापत्र में अनेक दल टीवी, मोबाइल, साइकिल, स्कूटी, लैपटॉप, साड़ियां आदि देने का वादा करते हैं। पक्के घर, बिजली, पानी आदि भी देने के वादे किए जाते हैं। मुफ्त की चिकित्सा सुविधा भी। इन दिनों तो युवाओं, स्त्रियों, बुजुर्गों के खाते में सीधे हजारों रुपए भेजने की बातें की जाती हैं। ये पैसे कहां से आएंगे, इसकी चिंता किसी दल को नहीं होती। सारे पैसे मुफ्त में देने में ही खर्च हो जाएंगे, तो बाकी के कामों का क्या होगा।

कोई भी यह नहीं कहता कि लोग परिश्रम करें। न ही इसकी योजनाएं बनाई जाती हैं कि लोगों को अधिक से अधिक संख्या में काम पर कैसे लगाया जाएगा। वैसे भी अपने यहां कहावत है कि अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम। दास मलूका कह गए सबके दाता राम। यानी कि लोग भाग्य और अब सरकारों के भरोसे रहें। किसी भी देश को बर्बाद करना हो, तो लोगों को श्रम से मुंह मोड़ना और भाग्य के भरोसे रहना सिखा दें। यही अपने यहां हो रहा है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटें और कुछ रास्ता न बचे तो वर्ल्ड बैंक के सामने कटोरा फैलाकर कर्ज ले लिया जाए। वेनेजुएला जैसे फलते-फूलते देश की अर्थव्यवस्था इन रेवड़ियों के कारण किस तरह से बैठ गई, यह हम सबने देखा। और सोवियत संघ के पतन से भी हमने कुछ नहीं सीखा। सोचें कि मुफ्त देने के मुकाबले यदि इन पैसों को देश के विकास में लगाया जाए, तो इससे लोगों को काम भी मिलेगा और लोगों के परिश्रम की आदत भी नहीं छूटेगी। यहां दो उदाहरण देना उचित होगा। कुछ साल पहले बिजली का बिल ठीक कराने के लिए बिजलीघर गई थी। वहां पता चला कि फोटोकापी वाला इस काम को आसानी से करा देता है। कुछ पैसे देने होंगे। बार-बार आने और फिर भी काम न हो पाने के मुकाबले, कुछ पैसे देना उचित लगा। वहां पहुंची, तो फोटोकापियर एक आदमी से बात कर रहा था। वह आदमी कह रहा था कि पास ही की एक कालोनी में उसका पच्चीस गज का चार मंजिल का घर है। चारों मंजिल उसी के पास हैं। वह चाहता है कि हर मंजिल पर एक अलग मीटर लगा दिया जाए, जिससे कि किसी भी मंजिल का बिल दो सौ यूनिट से ज्यादा न आए और उसे बिजली का एक पैसा न देना पड़े। यानी कि खर्च तो आठ सौ यूनिट होंगी, मगर अलग-अलग मीटरों के कारण उसका बिजली का बिल शून्य होगा। कारण, दिल्ली की सरकार ने दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त में दे रखी है। यह तो एक उदाहरण है, लम्बे-चौड़े दिल्ली शहर में ऐसा कितने लोग करते होंगे, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है।

दरअसल, एक बार अगर मुफ्त की कोई योजना शुरू कर दी जाए तो फिर किसी भी दल की हिम्मत नहीं होती कि वह उसे खत्म कर दे। क्योंकि खत्म करते ही विरोधी उसके पीछे पड़ जाते हैं और अपना नुकसान होते देख, लोग चुनाव हरा देते हैं। इसके अलावा यह भी होता है कि आज आपने किसी को एक रुपया मुफ्त दिया है, तो वह कहता है कि एक रुपया तो पहले से ही मिलता है, वही दे रहे हो तो नया क्या दे रहे हो। वोट तो तब दें, जब ये बताओ कि इस एक रुपए से बढ़ाकर कितना दोगे। जितना मुफ्त मिलता जाता है, लालच बढ़ता जाता है। कुछ साल पहले पास ही के उत्तर प्रदेश के शहर में साहित्य उत्सव में गई थी। वहां स्थानीय लोग बहुत थे। उनमें से बहुत से गांवों से आए थे। उनका कहना था कि अब गांवों में युवा काम करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि वहां लोगों को बहुत कुछ मुफ्त मिलता है, तो कोई काम क्यों करे। यह भी बताया कि बहुत से युवा इकट्ठे होकर, दिन भर जुआ खेलते रहते हैं। चूंकि खाली हैं, तो लड़ाई-झगड़ा और अपराधों का ग्राफ भी बढ़ा है। यह सिर्फ एक स्थान की बात नहीं है। भारत भर से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अब काम करने वाले आसानी से नहीं मिलते।

खटाखट-फटाफट के चक्कर में लोग इस बात से आश्वस्त हो जाते हैं कि उन्हें अब खाने-पीने और पैसे की दिक्कत नहीं होगी, तो बिना मतलब काम क्यों किया जाए। परिश्रम न होने के कारण गांवों में, कम उम्र में ही वे बीमारियां बढ़ रही हैं, जिन्हें बड़ी उम्र के रोग कहा जाता था। तमाम बड़े अर्थशास्त्री मुफ्त की योजनाओं को किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक मानते हैं, मगर दलों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नकली समाजवाद का रोग अपने देश में इस कदर फैला है कि सब कुछ फ्री में चाहिए। जबकि एक मशहूर वाक्य है- लंच इज नाट फ्री। यानी कि पूंजीवाद में कुछ भी मुफ्त नहीं होता। एक तरफ जीडीपी कैसे बढ़े, इसके लिए सरकारें रोती रहती हैं, मगर सब कुछ मुफ्त-मुफ्त के वादे करके लोगों का परिश्रम से मुंह मोड़ती हैं। चरैवेति-चरैवेति का मतलब मात्र चलना नहीं है। बल्कि जीवन के लिए जो भी जरूरी सुविधाएं हैं, उनके लिए कठिन परिश्रम करना है।

लोकतंत्र की यह सबसे बड़ी मुसीबत भी है कि नारा दिया जाता है कि जनता मालिक है, लेकिन मालिक बनते ही लोग किसी के लिए काम करने के मुकाबले, मुफ्त की योजनाओं की बाट देखने लगते हैं। सारे राजनीतिक दल इसे खूब हवा भी देते हैं। इन्हें बदला जाए और इस देश के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार देकर उन्हें परिश्रम की तरफ मोड़ा जाए, तभी देश का सही विकास हो सकता है।

(साभार : लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

चीन के विश्वासघात ने दिए थे गहरे जख्म

■ कृष्ण प्रताप सिंह

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने जीवन के आठ साल, ग्यारह महीने और सात दिन अंग्रेजों की जेलों के बिताने वाले पं. जवाहरलाल नेहरू के बारे में जब भी चर्चा हो, यह जरूर कहा जाता है कि स्वतंत्रता के बाद वे 16 साल प्रधानमंत्री रहे और 'आधुनिक भारत के निर्माता' कहलाये। लेकिन उनका मुश्किलों भरा आखिरी समय कैसे बीता, खासकर 1962 के चीनी हमले के उपरांत की असहज स्थिति में, हम कम जानते हैं।? निस्संदेह, 27 मई, 1964 को निधन से पहले उन्होंने कई तकलीफों का सामना किया। बता दें कि पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म 14 नवम्बर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था।

अलबत्ता, कई लेखों में विवरण मिलता है कि '1962 में चीन से हुई लड़ाई ने उनको तोड़कर रख दिया था और उसके सदमे से वे कभी उबर नहीं पाये।' परिणाम यह हुआ कि 'उनकी पुरानी शारीरिक ताकत, बौद्धिक कौशल और नैतिक चमक बीते दिनों की बात हो गईज। उनकी चाल में जो तेजी हुआ करती थी, वह भी लुप्त हो गई।' बताते हैं कि साल 1964 आते-आते उनकी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं और गम्भीर हो गईं। इसके बावजूद वे भुवनेश्वर में हो रहे कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने गये। सम्मेलन के कार्यक्रम में आठ जनवरी, 1964 को उन्हें बोलना था। लेकिन इसके लिए पुकारे जाने पर वे उठे तो डगमगाकर सामने की तरफ गिर पड़े। तब वहां उपस्थित उनकी पुत्री इंदिरा गांधी ने सम्मेलन के स्वयंसेवकों व नेताओं के सहयोग से उन्हें उठाया और संभाला। थोड़ी ही देर बाद डॉक्टरों ने जांच की तो पाया कि उनके शरीर का बायां हिस्सा पक्षाघात का शिकार हो गया है।फिर तो गहरी चिंता के बीच चिकित्सा के लिए उन्हें भुवनेश्वर स्थित राजभवन ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों की भरसक कोशिशों के बावजूद उन्हें इतना स्वास्थ्य लाभ नहीं हो सका कि वे अपना स्थगित भाषण देने दोबारा सम्मेलन में जा सकें। बारह जनवरी को वे नई दिल्ली लौट आये तो डॉक्टरों ने उनसे कहा कि

बेहतर होगा कि वे दोपहर में भी थोड़ी देर सोने की आदत डाल लें।

आम तौर पर वे रोजाना 17 घंटे काम करते थे। दोपहर में सोने के लिए उन्हें इनमें पांच घंटों की कटौती करनी पड़ी। उन्हें इसका लाभ भी मिला। फिर 26 जनवरी तक उनका स्वास्थ्य इतना सुधर गया कि वे गणतंत्र दिवस समारोह में आराम से भाग ले पाये। लेकिन जल्दी ही उनकी शक्ति फिर क्षीण होने लगी, जिसके चलते फरवरी में आयोजित संसद के उस साल के पहले सत्र में वे बैठे-बैठे ही भाषण देने को विवश हुए।फिर भी उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया और गर्मियों तक इतनी शक्ति संचित कर ली कि किसी का सहारा लिए बिना सामान्य दिनचर्या निपटा सकें। यह उनका आत्मविश्वास ही था कि अपने निधन से महज पांच दिन पहले 22 मई को एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के बार-बार 'नेहरू के बाद कौन?' पूछने पर उन्होंने उन्हें झिड़कते हुए से कह दिया कि 'मैं इतनी जल्दी मरने वाला नहीं हूं।' लेकिन दबे पांव आई मौत ने उनके इस दावे को गलत सिद्ध करके ही दम लिया।

उक्त संवाददाता सम्मेलन के अगले दिन वे बेटी इंदिरा के साथ छुट्टी मनाने देहरादून चले गये और 26 मई को लौटे तो जरूरी कामकाज निपटाकर सो गये। लेकिन सुबह आंखें खुलीं तो पाया कि उनकी पीठ में बहुत दर्द है। कुछ देर बाद उन्होंने इस बाबत एक सेवक को बताया। उससे सूचना पाकर डॉक्टर उनके पास पहुंचे तो उनकी हालत गम्भीर हो गई थी। उनका अपने पर नियंत्रण कम होता जा रहा था। जब तक डॉक्टर कोई उपचार करते, वे बेहोश हो गये। बाद में पता चला कि उनकी बड़ी धमनी फट गई है और प्राणरक्षा के लिए उन्हें फौरन खून चढ़ाना पड़ेगा। लेकिन जब तक खून चढ़ाया जाता, वे कोमा में चले गये।

कुछ रिपोर्टों के अनुसार इसी बीच उन्हें एक और पक्षाघात हुआ, जिसके बाद हृदयाघात से भी गुजरना पड़ा। इसके बाद उन्हें होश में लाने का कोई भी चिकित्सीय उपाय कारगर नहीं सिद्ध हुआ और कोमा में ही दोपहर बाद उन्होंने अंतिम सांस ले ली। आकाशवाणी ने दोपहर 2 बजकर 5 मिनट पर देश को उनके निधन की खबर दी तो पूरे देश में शोक की लहर छा गई। अवध के एक लोककवि ने इसे इस रूप में याद किया ‒ मई माह तारीख सताइस सन चौसठ कै काल, दिनवां बुद्धवार कै झुकति रही दुपहरिया, डगरिया नेहरू स्वर्ग की धरे।

पं. जवाहरलाल नेहरू की अन्त्येष्टि 29 मई को हिन्दू रीति से सम्पन्न की गई। वैदिक मंत्रोच्चार और 'द लास्ट पोस्ट' के बिगुलवादन के बीच उनके नाती संजय गांधी ने उन्हें मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार के तेरह दिन बाद उनकी अस्थियों को संगम में प्रवाहित करने के लिए एक स्पेशल ट्रेन से इलाहाबाद ले जाया गया। बाद में उनकी वसीयत के अनुसार उनकी अस्थियों को भारतीय वायुसेना के विमानों से देश के सभी राज्यों में खेतों में गिराया गया।

(साभार : ये लेखक के अपने विचार हैं।)

जिला पंचायत सीईओ ने किया वर्मा स्मृति अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभाग क्रिकेट संघ के तत्वाधान में आयोजित स्वर्गीय जे एल वर्मा स्मृति अंतर ज़िला क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरुवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एस एस रावत के द्वारा किया गया।

श्री रावत ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए क्रिकेट के हर फॉर्मेट के संबंध में बताया और कहा कि जीवन में ईमानदारी से मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलती है। नर्मदापुरम संभाग क्रिकेट एसोसिएशन के मानसेवी सचिव अनुराग मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता का पहला मैच नर्मदापुरम जिला एवं हरदा जिला के मध्य प्रारंभ हुआ। जिसमें नर्मदापुरम टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और प्रथम पारी में पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट खोकर 317 रन बनाए ।

नर्मदापुरम टीम की ओर से बल्लेबाजी करते हुए आदर्श शर्मा

ने 75 रन, शंशाक दुबे ने 74 रन का योगदान दिया हरदा की ओर से गेंदबाजी करते हुए मानस चौरे तथा अंश निकुंभ ने 3-3 विकेट लिए सात्विक वर्मा ने 2 विकेट का योगदान दिया। इसके पश्चात हरदा टीम ने प्रथम पारी में बल्लेबाजी करते हुए आज के दिन के खेल के समाप्त होने तक 8 विकेट खोकर 15 रन बना लिए थे। नर्मदापुरम टीम की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए दिव्यांश गालर ने 6 विकेट तथा शशांक दुबे ने 2 विकेट का योगदान दिया, मैच की आगे की पारी कल प्रातः प्रारंभ होगी।

इस अवसर पर राजेश चौरे, योगेश परसाई, कुलभूषण मिश्रा, अनंत तिवारी, मनोहर बिलथरिया, दिलीप नामदेव , संजय नाफड़े, चेतन राजपूत उपस्थित थे। मैच के अंपायर विष्णु बोरासी एवं फजल खान, नीरज गौर, गजेन्द्र सालोकी , शैलेंद्र सिंह पवार, आकाश चौरे एवं संगठन के सभी सदस्य उपस्थित थे।

खुद को चाकू मारने लगा तो यात्री सहमे

चैन स्नेचिंग का आरोपी धराया यात्रियों ने पकड़कर बांधे रखा

ट्रेन के भुसावल पहुंचने पर पीड़ित यात्रियों ने जीआरपी को मंगलसूत्र चोरी और चाकूबाजी की शिकायत की

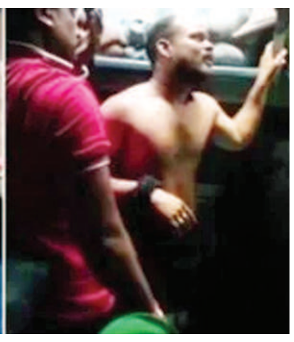

इटारसी, दोपहर मेट्रो

पाटलिपुत्र सुपर एक्सप्रेस में एक बदमाश ने चाकूबाजी कर एक महिला के गले से मंगलसूत्र छीन लिया। घटना इटारसी से ट्रेन चलने के बाद की है। यात्रियों ने भुसावल में घटना की शिकायत दर्ज करायी है।

जीआरपी इटारसी में डायरी आने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक रामस्नेह चौहान ने घटना के वीडियो और फोटो जारी कर बदमाश की पहचान करने का निवेदन किया है। ये वीडियो यात्रियों ने उस वक्त बनाये थे जब घटना के बाद यात्रियों ने बदमाश को पकड़कर बांध लिया था। पाटलीपुत्र एक्सप्रेस में एक बदमाश ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाश ने महिला यात्री के गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। जिसके बाद उसे ट्रेन के अन्य यात्रियों ने पकड़ा तो बदमाश ने खुद पर ही चाकू से वार करने लगा। जिसे देख यात्री दूर जाकर खड़े हो गए। इसके बाद बदमाश मौका देख दौड़कर दूसरे कोच में चला गया। यात्रियों ने उसे ढूंढा। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका।

घटना 11 नवंबर की रात को की बतायी जा रही है जब इटारसी से गाड़ी चलने के आधे घंटे बाद बदमाश ने चाकूबाजी करके महिला का मंगलसूत्र छीना। मौका पाकर यात्रियों ने उसे पकड़ भी लिया था। यात्रियों ने बदमाश को पकडने के वीडियो बना लिए। जिसमें वो कहते हुए दिख रहा कि रोजी-रोटी, रोजगार नहीं है। चोरी नहीं करें तो क्या मर जाएं। यात्री समझा रहे हैं कि काम धंधा करो तो कहता है कि तीन सौ रुपए रोज में होता क्या है, जब खुद पर बीतेगी तो समझ में आएगा। वह यात्रियों से काफी बहस करता है, साथ ही हाथ जोड़कर यह भी कहते

बीतेगी तो समझ में आएगा। वह यात्रियों से काफी बहस करता है, साथ ही हाथ जोड़कर यह भी कहते सुनाई दे रहा है कि पुलिस में मत देना, मेरे मां-बाप नहीं हैं। ट्रेन के भुसावल पहुंचने पर पीडित यात्रियों ने जीआरपी को मंगलसूत्र चोरी और चाकूबाजी की शिकायत की। रेल पुलिस ने लूट का प्रकरण दर्ज कर बुधवार रात को इटारसी जीआरपी को ट्रांसफर की। जिसके बाद से रेलवे पुलिस बदमाश की तलाश में जुटी है।

ऐसे लेकर भागा मंगलसूत्र

मिली जानकारी के अनुसार उक्त बदमाश सफर कर रहे यात्री राकेश जायसवाल का बैग चोरी कर ले जा रहा था, अचानक उनकी नींद खुल गई, उन्होंने शोर मचाया। तब अन्य यात्रियों ने उसे पकड़ लिया।

उसकी पिटाई कर उसे बैठा लिया। कुछ देर बाद फिर से यात्रियों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी। जिससे उसके सिर में लगा विग निकल गया। इस बीच बदमाश ने खुद के पास रखा चाकू निकालकर खुद को जख्मी करना शुरु कर दिया। सहमकर सभी यात्री उससे दूर हो गए। केवल फरियादी राकेश जायसवाल, उसकी पत्नी मां पास में ही थी। बदमाश ने यात्री राकेश पर चाकू से हमला कर दिया। बचाव के लिए उसकी मां आगे आई तो बदमाश ने उनके गले से सोने का मंगलसूत्र छीन लिया और फिर वो भाग गया।

पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में फरियादी राकेश जायसवाल अपनी मां, पत्नी, बच्चों के साथ पंडित दीनदयाल रेलवे स्टेशन से मुंबई की यात्रा कर रहा था। ट्रेन के स्लीपर कोच एस 1 में रिजर्वेशन था। मुंबई की यात्रा कर रहा था। ट्रेन के स्लीपर कोच एस 1 में रिजर्वेशन था। फरियादी मुंबई धोबी घाट क्षेत्र में वेल्डिंग का काम करता है।

वीडियो, फोटो जारी

इटारसी जीआरपी थाना प्रभारी आरएस चौहान ने घटना से जुड़े वीडियो, फोटो जिसमें बदमाश दिख रहा है, उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर जारी किए ताकि बदमाश को पकड़ा जा सके। जीआरपी निरीक्षक चौहान ने कहा कि जिस किसी को भी आरोपी के संबंध में कोई जानकारी हो तो थाना प्रभारी इटारसी के मोबाइल नंबर 9893650381 या थाना जीआरपी इटारसी के फोन नंबर 07572-241836 पर सूचित करने का कष्ट करें।

कायस्थ महासभा के पितृ पुरुष सारंग की स्मृति में वृद्ध आश्रम में फल वितरित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने गुरुवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के पथ प्रदर्शक पितृ पुरूष पूर्व राज्यसभा सांसद एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विश्वास सारंग के पिता स्व. कैलाश नारायण सारंग की स्मृति अवसर पर बांद्राभान स्थित वृद्ध आश्रम में जाकर उन सभी बुजुर्गो की सेवा कर उन्हें फल एवं नाश्ता वितरण कर आर्शीवाद प्राप्त किया। कार्यक्रम सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने कैलाश नारायण सारंग के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने समाज को एकजुट करने हेतु काफी प्रयास किया और आज समाज काफी आगे बढ़ रहा है। इस सेवा के अवसर पर वरिष्ठ जिला महामंत्री अशोक श्रीवास्तव, महासचिव राजेश कुलश्रेष्ठ, जिला सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव, जिला कोषाध्यक्ष अजय निगम, युवा जिला अध्यक्ष भानु श्रीवास्तव, रोजगार क्रांति प्रमुख कार्तिक खरे, सदस्य बलराम श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

डिजिटल अपराधों के प्रति किया जागरूक

इटारसी। गुरुवार को नर्मदापुरम जिले मे स्थित इटारसी शहर के शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय मे कलम कला कलाकार (के 3) की टीम ने दुनिया मे बढ़ते डिजिटल अपराधो के प्रति शिक्षको एवं छात्रों को जागरूक बनाने के लिए अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। के 3 की टीम कला एवं साहित्य के साथ साथ जागरुकता के क्षेत्र मे कार्यरत है। के 3 की संचालिका मंजुल जी एवं इरफ़ान जी ने बताया की युवा हमारे देश की अहम कड़ी है जो देश को तकनीकी रूप से प्रबल बनता है अतः प्रदेश के और भी विद्यालय एवं महाविद्यालय मे जगरूता के लिए व्याख्यान का सिलसिला जारी रहेगा।

एनसीसी के वार्षिक शिविर में कैडेट्स को दिया गया फायरिंग का प्रशिक्षण

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

13 एम.पी. बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में गुरुवार को एनसीसी प्रशिक्षण के अंतर्गत कैडेट्स को शस्त्र संचालन के अंतर्गत फायरिंग का प्रशिक्षण दिया गयाऔर विभिन्न सैन्य विषयों पर संबंधित कक्षाएं संचालित की गई। प्रशिक्षण शिविर के दौरान कैडेटस के व्यक्तित्व विकास को विकसित करने के लिए एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

चित्रकारी में कैडेट के चरित्र को आकार देने और उत्कृष्ट को बढ़ावा देने में एनसीसी कैम्प एवं प्रशिक्षण थीम पर सीनियर और जूनियर कैडेट

के द्वारा उपरोक्त विषय पर अपने भाव केनवास पर उकेरे गए. शिविर में कैडेट्स को जिला अस्पताल के डॉक्टर्स के द्वारा पर्सनल हाइजीन पर एक सेमिनार आयोजित कर डॉ. दिव्या शर्मा, डॉ. दिव्या पटेल के द्वारा जानकारी प्रदान कि गई। प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त विजेताओं को मेडल प्रदान किए जाएंगे। समस्त गतिविधियों का संचालन एनसीसी अधिकारी द्वारा किया गया.

वार्षिक खेलकूद स्पर्धा में बच्चों ने उत्साह से लिया भाग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर के द चैम्प्स फन स्कूल में गत दिवस एनुअल स्पोर्ट्स मीट का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस में कक्षा प्ले ग्रुप से कक्षा यूकेजी तक के बच्चों ने अपना हुनर दिखाया।13 नवम्बर को प्रथम दिवस की शुरुआत क्लास रिप्रेजेंटेशन मार्च के साथ हुई व अपनी अपनी आयु वर्ग के अनुसार खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर बच्चे विजेता बने।

दूसरे दिन कक्षा प्रथम से कक्षा चार तक के सभी विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया दोनों दिवस प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने बच्चों को शपथ ग्रहण कराई। राष्ट्रगान के साथ खेल का शुभारंभ किया। 14 नवंबर को बाल दिवस भी मनाया गया। चाचा नेहरू के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। सभी शिक्षक

शिक्षिकाओं ने बच्चों के लिए नृत्य कविता व गीत प्रस्तुत किए व खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। अंत में आयोजित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मठ मंदिर समिति के अध्यक्ष व प्राचीन नर्मदा मंदिर के मुख्य अर्चक राष्ट्रपति पुरस्कार अर्जित डॉ. गोपाल प्रसाद खड्डर सहित जिला महामंत्री भाजपा प्रसन्न हरणे, होम साइंस कॉलेज के योगा प्रशिक्षक एवं समाजसेवी श्रीमती किरण विश्वकर्मा, डायरेक्टर श्रीमती जूही चटर्जी, डायरेक्टर सुभाशीष चटर्जी उपस्थित रहे। स्वागत भाषण में प्राचार्य डॉ. आशीष चटर्जी ने बच्चों को बताया कि बाल दिवस क्यों मनाते हैं. साथ ही खेलकूद का जीवन में महत्व के बारे में बताया. उपस्थित अतिथि गणों ने अपने उद्बोधन में बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा दो दिवसीय खेल में विजयी बच्चों को मेडल व सर्टिफिकेट प्रदान किए।

सभी अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। कार्यक्रम प्रभारी सुश्री आरती मालवीय एवं श्रीमती स्नेहा राजपूत रही। मंच संचालन श्रीमती मनाली जायसवाल सराठे और मनीषा राजोरिया ने किया एवं आभार सुश्री खुशी पटेल ने व्यक्त किया। स्कूल के शिक्षकों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

मेट्रो एंकर

कलेक्टर और विधायक को शिकायत पत्र भेजकर शीघ्र कार्रवाई करने का अनुरोध

असामाजिक तत्वों ने बनाया अवैध रास्ता, बंद कराने मांग

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

वार्ड नंबर 26 के निवासी सामाजिक कार्यकर्ता अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के जिला महामंत्री अजय शर्मा ने कलेक्टर व विधायक विधायक को शिकायत पत्र प्रेषित करते हुए बताया कि मदारवाड़ा क्षेत्र में असामाजिक तत्वों तथा शराब माफियाओं द्वारा यहाँ के घरों के पास से कुछ महीने पूर्व एक अवैध रास्ता बनाया गया है जिसका उपयोग ये लोग कच्ची शराब के परिवहन तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों के लिए करते हैं जिसके चलते यहाँ का माहौल खराब हो रहा है तथा इन गतिविधियों से यहाँ के लोगों पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

श्री शर्मा ने बताया यह रास्ता न तो शासकीय है तथा न ही निजी है बल्कि यह पूर्णतः अवैध रास्ता है जो की पूर्व में नहीं था।

इस रास्ते का उपयोग यह असामाजिक तत्व अवैध कच्ची शराब के परिवहन तथा अन्य संदिग्ध गतिविधियों के लिए करते हैं।

इस रास्ते से आवारा तत्व अन्धी रफ्तार से वाहन लेकर तथा गाली-गलौच करते हुए निकलते हैं जिससे बच्चों तथा बुजुर्गों को दुर्घटना का खतरा बना रहता है क्योंकि यहाँ छोटे बच्चों की आँगनवाड़ी भी संचालित है।

इस रास्ते से निकलने वाले आवारा तत्व प्रवृत्ति के लोग शराब के नशे में घरों के बाहर खड़ी महिलाओं तथा बच्चियों पर अभद्र कमेंट्स करते हुए जाते हैं जिससे महिलाओं तथा बच्चियों को परेशानी होती है।

इस क्षेत्र में कुछ महिलाओं तथा युवकों सहित अवैध रूप से कच्ची शराब बेचने तथा परिवहन करने का काम करते हैं जिसका परिवहन इनके द्वारा इसी रास्ते से किया जाता है जिससे यहाँ के आमजन सहित बच्चों पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

पूर्व में आबकारी विभाग द्वारा यहां पर छापेमारी की कार्रवाई की गई थी जिसमें लाखों रुपए की अवैध कच्ची शराब पकड़ी गई थी तथा संबंधित आरोपियों पर प्रकरण भी दर्ज हुए थे किंतु उसके उपरांत भी यहाँ पर कच्ची शराब के परिवहन तथा बेचने का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है।

यह अवैध रास्ता होने से यहाँ पर कभी भी चोरी तथा अन्य अप्रिय दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है जिससे यहाँ के रहवासियों में भय व्याप्त है।

श्री शर्मा ने पत्र में उल्लेख किया कि मामले को अपने संज्ञान में लेकर उक्त पूर्णतः अवैध रास्ते को बंद करने की कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए यहां के रह वासियों को भय मुक्त कर सहायता करने की कृपा करें।

आंगनबाड़ी में मनाया बाल दिवस

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

तवानगर में बाल दिवस के उपलक्ष्य मे तवानगर के आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चो के साथ बाल दिवस मनाया गया. सरपंच शिव नारायण धुर्वे द्वारा बच्चो को पंडित जवाहरलाल नेहरू के बारे में जानकारी दी गई. उन्होंने बताया नेहरू जी के जन्म दिवस के अवसर पर बाल दिवस मनाया जाता है । बाल दिवस पर बच्चो द्वारा छोटी छोटी दुकाने लगायी गई ।माता पिता वा अन्य लोगों द्वारा बच्चों से सामग्री खरीद कर बच्चों का उत्साह बढाया गया ।

कार्यक्रम में ग्राम सरपंच एवं सभी आँगन बाडी कार्यकर्ता वा सहायिका उपस्थित रहीं।

सिरोंज जिला बनेगा या फिर हवा, प्रशासनिक स्तर पर अभी नहीं हुई पहल

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

जिला बनने की संपूर्ण संभावनाएं होने के बाद भी आखिर अब तक सिरोंज जिला क्यों नहीं बन पा रहा जिनके कधों पर जिला बनाने की जिम्मेदारी है अपनी बात क्षमता के हिसाब से सरकार के सामने नहीं रख पा रहे हैं। तभी तो यहां सपना अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। जबकि कई संगठन 1982 से सिरोंज को जिला बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।वैसे जिला बनाने का मामला लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव के समय उम्मीदवार रखते हैं चुनाव होने के बाद जन प्रतिनिधि बनते ही भूल जाते हैं।

राजनीतिक सामाजिक स्तर पर ज्ञापनों का दौरा, विधायक ने सीएम को लिखा पत्र आखिर हकीकत या सपना

पहली बार दोनों चुनाव होने के बाद जिला बनाने का मामला चर्चाओं में आया है । सिरोंज को जिला बनाने के लिएं कई संगठन लगातार धरना प्रदर्शन से लेकर ज्ञापन देते आ रहे हैं । इस बार विधायक उमाकांत शर्मा ने भी मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सिरोंज को जिला बनाने की मांग करते हुए कौन-कौन सी तहसीलों एवं क्षेत्र को मिलाकर जिला बन जा सकता है साथ यहां पर जिला बनाने की सभी संभावनाएं उसके बारे में विस्तार से पत्र में लिखा है इससे पहले कलेक्टर को भी ज्ञापन दिया था कुछ दिन पहले एसडीएम को भी दे चुके हैं। अभिभाषक संघ अध्यक्ष कपिल त्यागी ने भी ज्ञापन भी प्रभारी मंत्री को पिछले दिनों नगर आगमन पर सिरोंज को जिला बनाने ज्ञापन दिया था वहीं कुछ दिनों से मीडिया और भाजपा संगठन संगठन से लेकर आंदोलन करने वाले लोग भी जिला बनने की बात कर रहे हैं। पर जिला बनाने की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है उनके स्तर पर अभी इस संबंध में कोई पहल शुरू नहीं हुई है ।

जब तक प्रशासनिक स्तर पर सिरोंज को जिला बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ नहीं होगी तब कैसे जिला बनेगा जानकारी के अनुसार सामान्य प्रशासन विभाग जिला बनाने से पहले स्थानीय प्रशासन इसके संबंध में पूरी जानकारी लेगा जो अभी शुरू नहीं हई है 2013 में जरूर सामान्य प्रशासन विभाग ने सिरोंज को जिला बनाने के लिए सभी तैयारी कर ली थी चुनाव का वक्त होने से राजनीतिक व्यवस्था के चलते घोषणा होते-होते रह गई उस समय पूर्वमंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की पहल पर जिले बनने की उम्मीद पूर्ण नहीं हो पाएगी अभी मीडिया से से लेकर राजनीतिक और आम नागरिकों जरूर सिरोंज को जिला बनाने को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है इन दिनों चौक चौराहा चाय पान की दुकानों से लेकर सोशल मीडिया पर जिला बनने की खबर तेजी से वायरल हो रही है।

इनका कहना है

हमारे विधायक भी मुख्यमंत्री कलेक्टर और एसडीएम को भी सिरोंज को जिला बनाने मांग के संबंध में ज्ञापन दे चुके हैं संगठन के साथ सभी लोग चाहते हैं कि सिरोंज जिला बने पूरी संभावनाएं भी हैं।
-**सुमंत मित्तल**, भाजपा मंत्री एवं व्यापारी

1982 से सिरोंज को जिला बनाने की मांग लोग कर रहे हैं विधायक चाहे तो 24 घंटे में जिला बन सकता है
-**अशोक जैन खर्चा**, सामाजिक कार्यकर्ता।

श्रेय लेने के लिए नहीं सभी के सहयोग से सिरोंज को जिला बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं हमें पूरी उम्मीद है कि जिला बनेगा उसकी सारी संभावनाएं हैं।
-**कपिल त्यागी**, अभिभाषक संघ अध्यक्ष सिरोंज

पूर्व में जरूर सिरोंज को जिला बनाने का प्रस्ताव शासन स्तर पर गया था अभी मेरे कार्यकाल में कोई प्रस्ताव ऐसा नहीं गया है।
- **हर्षल चौधरी** एसडीएम

कथा : भगवान से रुक्मणि का विवाह

सिरोंज। ग्राम झंडवा में चल रही है श्रीमद् भागवत कथा में भगवान और रुक्मणी जी का विवाह बड़े ही भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ कथा वाचक निखिल शास्त्री ने कथा में श्री कृष्ण भगवान के सोलह हजार एक सो आठ विवाह की कथा का मनमोहक तरीके से श्रवण कराया जैसे ही भगवान श्री कृष्णा और रुक्मणी जी का विवाह का मंचन हुआ तो पूरा कथा पंडाल भगवान के जयकारों से गूंज उठ कथा में कथा व्यास ने कई प्रसंगों का विस्तार से रसपान करते हुए अलग-अलग प्रसंग का वर्णन किया ।इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे ।

दीपदान के बाद पंचकुइयों घाट पर, हुआ हरिहर मिलन, मन मोहक दृश्य देखने उमड़े श्रद्धालु

सिरोंज। पंचकुइयों घाट पर बड़े ही उत्साह के साथ कार्तिक महोत्सव मनाया। पंडित नलिनी कांत शर्मा के मार्गदर्शन में सुबह-शाम स्नान पूजन के बाद आयोजन होते हैं। शाम के समय दीपदान होता है ।गुरुवार को पंचकुइयों घाट गंगापूजन के उपरांत दीपदान इसके बाद हरी से हार का मिलन हुआ यह मनमोहक दृश्य देखते ही बन रहा था हरि की भक्ति मैं लीन होकर हरि की पालकी लेकर से श्रद्धालु चल रहे थे। जगह-जगह पूजा अर्चना हुआ वही श्री मदन मोहन सरकार मंदिर पर हरी से हार के मिलन के बाद आरती फिर प्रसादी का वितरण हुआ । दूसरी और घाट पर दीपदान करने लिए लिए सैकड़ो की संख्या मे भक्त जन पहुंचे। प्राचीन काल से मान्यता है की कार्तिक मास के महीने में प्रात :काल उठकर स्नान-ध्यान और श्रद्धा भाव से पूजन दीपदान करने से भगवान की विशेष कृपा होती है।

मदन मोहन सरकार मंदिर से निकली परिक्रमा यात्रा

सिरोंज। गुरुवार को नगर प्रसिद्ध मदन मोहन सरकार मंदिर की नगर परिक्रमा यात्रा जिसका जगह-जगह समाज एवं समाजसेवी संकट होने फूलों की बारिश करके स्वागत किया सुभाश्री मदन मोहन सरकार मंदिर से यात्रा प्रारंभ हुई जो चतुर्भुज मंदिर होते हुए सिनेमा चौराहे मुख्य बाजार से होते हुए मंदिर पर पहुंचकर संपन्न हुई सरकार को विभिन्न तरह के पकवानों का भोग लगाया आरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। सरकार के दरबार में सभी आयोजन भक्ति भाव के साथ संपन्न होते हैं। कार्तिक महोत्सव भी भक्ति भाव से मनाया जा रहा है प्रतिदिन धार्मिक कार्य में भक्ताजन उत्साह पूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं। सरकार के चरण सेवक नवनीत महाराज के द्वारा कार्तिक मास की कथा का रसपान श्रोताओं को कराया इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद थे।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य कार्यों की समीक्षा की

कुरवाई में गर्भवती महिला की मृत्यु होने पर कारणों की जांच के आदेश

■ लटेरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एनआरसी संचालन के निर्देश

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने स्वास्थ्य विभाग ओर महिला बाल विकास के संयुक्त समन्वय से क्रियान्वित स्वास्थ्य कार्यो व गतिविधियों की गहन समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि अक्टूबर माह में एक भी होम डिलेवरी जिले में नहीं हुई है। कलेक्टर श्री सिंह ने उक्त कार्य की प्रशंसा करते हुए आगामी माहो में भी इसे बनाए रखे के भी निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य व महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि टीमवर्क की भावना से कार्यो का संपादन करें ताकि मरीजो व हितग्राहियों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं से लाभांवित किया जा सकें। उन्होंने कहा कि जिले की स्वास्थ्य संस्थाओं में पदस्थ चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी से करें।

कलेक्टर श्री सिंह ने सीएमएचओ को निर्देशित किया है कि जिन भी 108 व जननी एक्सप्रेस के द्वारा समय पर मरीज को अटेण्ड नहीं किया जाता है उनके खिलाफ कार्यवाही कर पैनाल्टी वसूली जाए। इस बात का ध्यान रखा जाए कि मरीज को छोड़ने के बाद वापिस नियत स्थल पर पहुंचे।

विभागीय जांच के आदेश

कलेक्टर श्री सिंह ने स्वास्थ्य कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान कुरवाई विकासखण्ड में एक गर्भवती महिला की मृत्यु होने पर कारणो की जांच के साथ-साथ बीएमओ, डीसीएम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ, सुपरवाईजर व आंगनबाडी कार्यकर्ता की विभागीय जांच करने हेतु निर्देशित किया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने गर्भवती माताओं को मुहैया कराई जाने वाली सुविधाओं के संबंध में विशेष निर्देश देते हुए कहा कि इन क्रियान्वित कार्यो में कहीं चूक ना हो। आरसीएच अनमोल पोर्टल पर तमाम जानकारियां दर्ज हो। उन्होंने बताया कि शासन की मंशा के अनुसार अब जिला चिकित्सालय में भी एक पृथक से बर्थ वेटिंग एरिया वार्ड संचालित किए जा रहे है जिसमें आधुनिक तमाम सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है इसके पीछे यह मंशा है कि गर्भवती माताओं को डिलेवरी कराने में किसी भी प्रकार की असुविधाओं का सामना ना करना पडे। उन्होंने यहां रूकने के किए गए प्रबंधो को रेखांकित किया।

बैठक में मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम एएनसी जांच पंजीकरण, एचआरपी स्टेटस, एसएनसीयू, यूविन पोर्टल, शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, सम्पूर्ण टीकाकरण, मीजल्स रूबेला टीकाकरण कार्यक्रम, एनआरसी, जेएसबाय, पीएसवाय भुगतान, विकासखण्डवार जन आरोग्य समिति को आवंटन, सीडीआर डाटा, एचबीएनसी स्टेटस, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, निश्चय पोषण योजना (क्षय नियंत्रण कार्यक्रम), परिवार कल्याण कार्यक्रम, मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक की स्थापना इत्यादि की गहन समीक्षा की गई।

लटेरी में एनआरसी हेतु निर्देश

कलेक्टर श्री सिंह ने लटेरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एनआरसी संचालन के संबंध में तमाम प्रबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिला मुख्यालय से दूरस्थ क्षेत्र में एनआरसी की महत्वता अति आवश्यक है ताकि स्थानीय सेम, मेम बच्चों को अविलम्ब इलाज की सुविधाएं एनआरसी के माध्यम से क्रियान्वित की जा सकें। जिले के लटेरी विकासखण्ड को छोड़कर शेष अन्य विकासखण्डो में एनआरसी संचालित हो रही है अतः शासन स्तर पर लटेरी में एनआरसी संचालन के लिए आवश्यक पत्राचार पूर्ण कराए और विभागीय अधिकारी को सम्पूर्ण वस्तु स्थिति से अवगत कराएं।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से संयुक्त समन्वय से संपादित किए जाने वाले स्वास्थ्य कार्यो की प्रत्येक सप्ताह बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए है और इन बैठको में लिए गए निर्णयों से जिला कार्यालय को अवगत कराने हेतु ताकिद किया गया है। विभागीय बैठक में शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के आधार कार्ड बनाए जाने की अपडेट स्थिति, विशेष आवश्यकता वाले शून्य से 6 वर्ष तक के ऐसे बच्चे जिनके कटे, फटे होंठ, चिपके तालू, श्रवण एवं दृष्टिबाधित तथा अन्य प्रकार की विकलांगता वाले बच्चों के स्वास्थ्यवर्धक हेतु किए गए प्रबंधो की जानकारियां प्राप्त की है वहीं आंगनबाडी कार्यकर्ताओं द्वारा अप्रैल से सितम्बर माह तक की अवधि में शून्य से पांच आयु वर्ग के शिशुओं की मृत्यु सत्यापन, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हित गर्भवती महिलाओं की तुलनात्मक जानकारी, पोषण पुर्नवास केन्द्रो में भर्ती कराए गए बच्चों की जानकारी, गर्भवती महिलाओं की पोषण टेकर पर दर्ज संख्या, पोषण टेकर एप पर जोडे जाने से वंचित गर्भवती महिलाओं की समीक्षा, ऐसी गर्भवती महिलाएं जिनका नवम्बर माह में प्रसव संभावित है कि संस्थागत सुरक्षित प्रसव के उपाय प्रबंधो की समीक्षा, पोषण टेकर एप पर दर्ज हितग्राहियों को पोषण आहार एवं टीएचआर वितरण तथा शून्य से पांच वर्ष तक के सामान्य, सेम और मेम श्रेणी के बच्चों की जानकारियां प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से लाभांवित होने वालो की जानकारी के अलावा लाड़ली लक्ष्मी योजना की अद्यतन स्थिति का जायजा समीक्षात्मक बैठक में कलेक्टर द्वारा लिया गया है।

सचिव पदीय दायित्व से मुक्त

सिरोंज। विदिशा जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने ग्यारसपुर जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बोरीरामपुर के सचिव गिरवर सिंह यादव को सचिव पदीय दायित्व से मुक्त करते हुए उनका मुख्यालय जिला पंचायत विदिशा नियत किया गया है। जिला पंचायत सीईओ श्री जैन के द्वारा जारी आदेशानुसार ग्राम पंचायत बोरीरामपुर के सचिव गिरवर सिंह यादव को पांच हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त भोपाल द्वारा रंगे हाथो पकडे जाने के फलस्वरूप श्री यादव को सचिव पदीय दायित्व से मुक्त किया गया है। ग्राम पंचायत बोरीरामपुर के सचिव का अतिरिक्त प्रभार ग्राम पंचायत सियासी के सचिव श्री पृथ्वी सिंह मीणा को सौंपा गया है।

कलेक्टर ने नल-जल योजना का जायजा लिया

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने गुरूवार को ग्राम घाटपिपरिया एवं सांकलखेडाखुर्द में संचालित हो रही नल जल योजनाओं का धरातलीय जायजा लिया। भ्रमण के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर नल से जल प्रदाय व्यवस्था की क्रास मानिटरिंग की है।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रामीणो से संवाद करते हुए नलजल योजना के बेहतर संचालन में सहयोगप्रद करने का आव्हान करते हुए कहा कि समय पर जलकर जमा करें ताकि नलजल योजना के संचालन में किसी भी प्रकार का अवरोध ना हो पाए उन्होंने नल जल योजना के पाइपो की सुरक्षा हेतु जन सहयोगी प्रबंधो के संबंध में भी चर्चा की है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री संतोष साल्वे ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण नलजल प्रदाय योजना के तहत ग्राम घाटपिपरिया की जल प्रदाय योजना का टेस्टिंग चल रहा है। अभी ग्राम के 54 घरो

में कनेक्शन दिया गया है। सम्पबेल के माध्यम से हर रोज नल से जल प्रदाय करने का कार्य प्रातः सात बजे से किया जाता है यह योजना 27 लाख 34 हजार की लागत से पूर्ण की गई है। नल जल योजना के लिए स्थाई विद्युत कनेक्शन 25 केव्ही का स्थापित है।

मेट्रो एंकर राजस्व कोर्ट में लंबित मामलों का निराकरण, नए प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन इत्यादि होंगे

राजस्व महा अभियान 3.0 का क्रियान्वयन 15 नवम्बर से 15 दिसंबर तक

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जिले में आज शुक्रवार 15 नवम्बर से 15 दिसंबर 2024 तक राजस्व महा-अभियान 3.0 का आयोजन किया जाना है। इस अभियान का उद्देश्य राजस्व न्यायालयों में लम्बित प्रकरणों (नामांतरण, बँटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, सीमांकन) का निराकरण, नए राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज कराना, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सैचुरेशन, आधार का आरओआर से लिंकिंग, परम्परागत रास्तों का चिन्हांकन, फार्मर रजिस्ट्री, स्वामित्व योजना का क्रियान्वयन है।

जिला स्तर पर प्रभारी अधिकारी भू-अभिलेख एवं अनुविभाग स्तर पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी इस अभियान के नोडल अधिकारी होंगे। इस अभियान में निम्नानुसार गतिविधियां संपादित की जाना है

नामांतरण – समय सीमा बाह्य नामातंरण प्रकरणों (विवादित, अविवादित) का निराकरण। नवीन दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण। पटवारी द्वारा बीवन का वाचन कराया जाकर फौती नामांतरण।

बंटवारा - समय सीमा बाह्य बंटवारा प्रकरणों का निराकरण नवीन दर्ज बंटवारा प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण।

अभिलेख दुरुस्ती - 06 माह की अवधि से लंबित सभी प्रकार के अभिलेखों के शुद्धिकरण के प्रकरणों का निराकरण।

सीमांकन - आरसीएमएस पर दर्ज लंबित सीमाकंन प्रकरणों का त्वारित निराकरण। नवीन प्रकरणों को दर्ज कर निराकृत करें।

परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन -धारा 131 के तहत मान्यता प्राप्त सडक, रास्ते, सार्वजनिक भूमियो का चिन्हांकन। इसके तहत रास्ता विवाद, जल निकासी विवाद आदि प्रकरणों का निराकरण।

नक्शे में बटांकन – कुछ ग्रामों के खसरा तथा नक्शे में लिंक स्थापित नहीं है और नागरिकों को उपलब्ध कराये जा रहे नक्शे पूर्णतः शुद्ध नहीं है। खसरा एवं नक्शा में एकरुपता नहीं होने से सम्बन्धित कृषकों को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके संबंध में निम्नानुसार कार्यवाही की जाए। खसरे में बटांकन होना परंतु नक्शे में नहीं होना। खसरा नंबर का एक से अधिक बार होना। नक्शे में बटांकन होना परन्तु खसरे में नहीं होना शामिल खसरे को भिन्न किया जाना

शाब्दिक सर्वेक्षण सुधार- आधार से त्व् खसरे की लिंकिंग - भूलेख पोर्टल पर जाकर आवेदक अपने खसरे को आधार से लिंक कर सकता है, जिसका सत्यापन पटवारी द्वारा किया जाएगा।

फार्मर रजिस्ट्री – प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री का प्रबंधन उचति.हतपेजंबा.हवअ.पद पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा हैं। इसका उद्देश्य यह है कि कृषक किसान क्रेडिट कार्ड हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकें एवं नियमानुसार पात्रता होने पर 30 मिनिट में राशि किसानों को प्राप्त हो सके। इसके माध्यम से पीएमकिसान योजना हेतु आवेदन भी किया जा सकेगा तथा पीएमकिसान योजना हेतु फार्मर आईडी को दिसम्बर 2024 से अनिवार्य किया गया है। आगामी समय में फार्मर आईडी अन्य योजनाओं में भी अनिवार्य होगी, अतः इसका अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कर किसानों की सहभागिता से फार्मर आईडी जनरेट करने की कार्यवाही पूर्ण करें।

पीएम किसान सैचुरेशन– छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को योजना में जोड़ा जाए। अपात्र हितग्राहियों की जानकारी पीएमकिसान पोर्टल पर अद्यतन की जाए।

लंबित ई-केवायसी पूर्ण करें। लंबित आधार बैंक खाता डीबीटी हेतु मदंइसम करने की कार्यवाही संबंधित बैंकर्स का सहयोग लेकर एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक संबंधी खाता खोलकर पूर्ण करें।

स्वामित्व योजना – स्वामित्व योजना के तहत आबादी भूमि का सर्वेक्षण पूर्ण करने हेतु निम्नानुसार कार्यवाही की जाए। दिनांक 30.11.2024 तक समस्त ग्रामों में ग्राउंड टूथिंग का कार्य पूर्ण करें। 30 नवम्बर 2024 तक संशोधित नक्शा सर्वे ऑफ इंडिया से प्राप्त करें। 30 नवम्बर 2024 तक 100 प्रतिशत ग्रामों के अंतिम प्रकाशन की कार्यवाही पूर्ण करें।

भारत-साउथ अफ्रीका चौथा टी-20 आज, सीरीज में 1-2 से पीछे होम टीम

जोहान्सबर्ग में केवल एक मैच हारा है भारत

जोहान्सबर्ग. एजेंसी

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज का चौथा और आखिरी मैच आज जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा। वांडर्स स्टेडियम में मैच रात 8.30 बजे शुरू होगा, टॉस रात 8 बजे होगा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत ने यहां 4 टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं, जिसमें केवल एक गंवाया है। उसे यह इकलौती हार 2018 में मिली थी। भारत 4 टी-20 की सीरीज में 2-1 से आगे है। टीम इंडिया ने पहला मैच 61 रन और तीसरा मैच 11 रन से जीता था। दूसरा टी-20 साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट से अपने नाम किया था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत आगे भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अब तक 30 टी-20 खेले गए। 17 में भारत और 12 में साउथ अफ्रीका को जीत मिली। दोनों के बीच एक मैच बेनतीजा भी रहा। दोनों के बीच इस साल के टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल भी हुआ था, जिसमें भारत को जीत मिली थी। जोहान्सबर्ग में दोनों के बीच पिछला मुकाबला पिछले साल दिसंबर में हुआ था, तब भारत को 106 रन से जीत मिली थी। साउथ अफ्रीका में दोनों ने 12 टी-20 इंटरनेशनल खेले, 8 में भारत और 4 में होम टीम को जीत मिली। तिलक वर्मा सीरीज के टॉप रन स्कोरर भारतीय ऑलराउंडर तिलक वर्मा सीरीज के टॉप रन स्कोरर हैं, उन्होंने पिछले मैच में सेंचुरी लगाई थी। वहीं, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती 3 मैचों में 10 विकेट झटक

चुके हैं। उन्होंने दूसरे मुकाबले में 5 विकेट लेकर भारत की झोली में मैच डाल दिया था। चक्रवर्ती ने तीसरे मैच में 2 और पहले मैच में 3 विकेट लिए थे। यानसन ने दूसरे मैच में 17 बॉल पर 54 रन बनाए मार्को यानसन ने तीसरे मैच में 17 बॉल पर 54 रन की पारी खेली थी। हालांकि, वे अपनी टीम को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हुए। वह साउथ अफ्रीका टीम के टॉप रन स्कोरर हैं। जेराल्ड कूट्जी टीम के टॉप विकेट टेकर हैं, जिनके नाम 4 विकेट हैं। उन्होंने पहले मैच में 3 विकेट लिए थे। पिच रिपोर्ट जोहान्सबर्ग में अब तक 33 टी-20 खेले गए, 16 बार पहले बैटिंग और 17 बार पहले बॉलिंग करने वाली टीमों को जीत मिली। 260 रन यहां का बेस्ट स्कोर है। वेदर कंडीशन जोहान्सबर्ग में शुक्रवार को बारिश की कोई संभावना नहीं है। टेम्परेचर 14 से 23 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। पिछले 3 टी-20 में भी बारिश ने बिल्कुल खलल नहीं डाली थी।

ये है दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह।

साउथ अफ्रीका: एडन मार्करम (कप्तान), रीजा हेंड्रिक्स, रायन रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, हेनरिक क्लासन (विकेटकीपर), डेविड मिलर, एंडिले सिमेलाने, मार्को यानसन, जेराल्ड कूट्जी, एन पीटर और केशव महाराज।

ऑस्ट्रेलिया में 36 साल बाद 5 टेस्ट खेलेगा भारत

टीम इंडिया 36 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में 5 टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए पहुंच चुकी है। भारत ऑस्ट्रेलिया के पांचों प्रमुख टेस्ट वेन्यू पर 1-1 मैच खेलेगा। 2018 से इन मैदानों पर भारत ने कम से कम एक मैच जरूर खेला है। पर्थ और सिडनी को छोड़कर भारत ने सभी में जीत भी हासिल की है।

यशस्वी को क्रिकेटर बनाने बड़े भाई ने की सेल्समैन की नौकरी, अब रणजी ट्रॉफी में किया डेब्यू

नईदिल्ली. एजेंसी

भारतीय टीम के ओपनर यशस्वी जायसवाल की आज पूरी दुनिया में पहचान है, लेकिन उन्हें यहां तक पहुंचाने में उनके बड़े भाई तेजस्वी जायसवाल का बहुत बड़ा हाथ है। छोटे भाई को क्रिकेटर बनाने के लिए बड़े भाई तेजस्वी ने छोटी-छोटी नौकरियां भी कीं। आज जब यशस्वी अपनी पहचान बना चुके हैं तो तेजस्वी ने भी अपना क्रिकेटर बनने का सपना पूरा किया। उन्होंने हाल में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया।

अभी खेले तीन मुकाबले: तेजस्वी ऑलराउंडर हैं और उन्होंने रणजी में मेघालय के खिलाफ पदार्पण किया था और 13 रन ही बना सके थे। उन्होंने बड़ौदा के खिलाफ पिछले मैच में 82 रन ठोके और अपना पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने अब तक तीन रणजी मैच खेले हैं।

खर्च के लिए भेजते थे पैसे: तेजस्वी ने दिल्ली में बिजली की दुकान पर सेल्समैन का काम किया। वह यशस्वी को खर्च के लिए पैसे भेजते थे। उन्होंने अपनी बहनों की शादी भी की। उन्होंने कहा, यशस्वी अच्छा कर रहा था। मैं उसे डिस्टर्ब नहीं करना चाहता था, इस कारण क्रिकेट छोड़ दिया। त्रिपुरा के कप्तान मनदीप सिंह से पदार्पण मैच में कैप लेते तेजस्वी। माता-पिता और भाई यशस्वी के साथ आइपीएल अनुबंध से बदल गई जिंदगी तेजस्वी ने कहा, 2020 में जब यशस्वी को आइपीएल अनुबंध मिला, उसके बाद से हमारी जिंदगी में सुधार हुआ। इसके बाद मैंने भी क्रिकेट खेलने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश के भदोही के रहने वाले यशस्वी और तेजस्वी क्रिकेटर बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे थे। यहां दोनों मुंबई के आजाद मैदान में टेंट में भी रहे।

नंबर-1 सिनर ने इस साल 67वीं जीत हासिल की

तुरीन (इटली). एजेंसी

दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी इटली के जेनिक सिनर ने यहां खेले जा रहे एटीपी मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप चरण का पहला मैच जीता। टॉप सीड सिनर ने अमेरीका के पांचवीं सीड खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 6-4 से मात दी। जबरदस्त फॉर्म में चल रहे जेनिक सिनर ने इस साल कुल 67वीं जीत हासिल की। अब उनका सामना चौथी वरीय खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव से होगा। एक अन्य मुकाबले में रूसी खिलाड़ी मेदवेदेव ने ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को आसानी से 6-2, 6-4 से शिकस्त दी।

सिंधू आसान जीत से दूसरे दौर में, लक्ष्य सेन भी हो गए बाहर

कुमामोटो (जापान). एजेंसी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय महिला शटलर पीवी सिंधु ने बुधवार को शानदार आगाज करते हुए यहां खेले जा रहे कुमामोटो मास्टर्स टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधु ने महिला एकल के राउंड-32 मैच में थाइलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को सिर्फ 38 मिनट में 21-12, 21-18 से शिकस्त दी।

12 साल में सबसे निचली रैंकिंग पर पहुंचीं पीवी सिंधु: पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ की ताजा रैंकिंग में फिसलकर 20वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जो 12 सालों में उनकी सबसे निचली रैंकिंग है। साल 2012 में सिंधु ने टॉप-20 में पहली बार जगह बनाई थी और 19वीं रैंकिंग हासिल की थी। इस सूची में चीन की झेइ वेंग पहले स्थान पर जबकि उनकी हमवतन यू हेन दूसरे नंबर पर हैं। वहीं, पुरुष एकल रैंकिंग में भारत का कोई शटलर शीर्ष 20 में नहीं है। इस सूची में डेनमार्क के ऐन्डर्स एंटोनसेन पहले जबकि चीनी ताइपे के तिएन चेन दूसरे स्थान पर हैं।

पुरुष एकल में निराशा : हालांकि पुरुष एकल में भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन पहले ही दौर में हार गए। पहला गेम जीतने के बावजूद लक्ष्य सेन को मलेशिया के लियोंग जुन हाओ के हाथों 22-20, 17-21, 16-21 से हार झेलनी पड़ी।

मेट्रो बाजार

नए टैक्स कोड में कैपिटल गेन, अब नियमों में होगा बदलाव!

नईदिल्ली. एजेंसी

टैक्स कानून में जटिल शब्दावली की परेशानियों को दूर करने के लिए आयकर अधिनियम 1961 के प्रावधानों में बदलाव की तैयारी चल रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने डायरेक्ट टैक्स कोड (प्रत्यक्ष कर संहिता) यानी इनकम टैक्स के नियमों को आम लोगों के लिए सरल और आसान भाषा में लाने का निर्देश पिछले आम बजट में दिया था, जिस पर अमल हो रहा है। डायरेक्ट टैक्स कानूनों की व्यापक समीक्षा में कानूनी बाधाओं को कम करने के साथ मुकदमेबाजी के बोझ को कम करने पर फोकस किए जाने की संभावना है। नई प्रत्यक्ष कर संहिता (रिवाइज्ड टैक्स कोड) वर्ष 2025 में आम बजट के समय पेश किए जाने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि समीक्षा के तहत टीडीएस, टीसीएस, कैपिटल गेन टैक्स के प्रावधानों में ढील दी जा सकती है। साथ ही टैक्सपेयर क्लासिफिकेशन, इनकम सोर्स जैसे मुद्दों को बेहतर ढंग से स्पष्ट किया जा सकता है। ग्रांट थॉर्नटन भारत में डायरेक्ट टैक्स के पार्टनर अखिल चांदना ने कहा, इस रिवाइज्ड टैक्स कोड का उद्देश्य मौजूदा कर ढांचे को सरल बनाना, पारदर्शिता बढ़ाना, व्यक्तिगत करदाताओं और व्यवसायों दोनों ही के लिए टैक्स कानून के प्रावधानों को आसान बनाना है। इसका पहला लक्ष्य कर कानूनों की जटिलता को कम करना है, जिससे कर चोरी पर अंकुश लगे और कानून के पालन को बढ़ावा मिले। टैक्सपेयर्स को निवासी या गैर-निवासी के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। इससे जुड़े भ्रामक शब्दों को हटाया जा रहा है जिससे आरओआर (निवासी और सामान्यतः निवासी), आरएनओआर (निवासी लेकिन सामान्यतः निवासी नहीं), एनआर (गैर-निवासी) श्रेणी समाप्त हो जाएंगी। रिवाइज्ड टैक्स कोड में टैक्स निर्धारण वर्ष और पिछले वर्ष शब्दों को हटा दिया गया है। रिटर्न दाखिल करने के लिए केवल वित्तीय वर्ष शब्द ही लागू होगा। वेतन से आय को रोजगार से आय और अन्य स्रोतों से आय को बाकी स्रोतों से आय कहा जाएगा।

शेयर बाजार में हो गया कत्ल-ए-आम!

मुंबई. एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला लगातार 5वें दिन जारी रहा। सबसे अधिक 3% की गिरावट माइक्रोकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में आई। मिडकैप इंडेक्स 2.5 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। इससे बुधवार को निवेशकों के 8 लाख करोड़ रुपए साफ हो गए। 26 सितंबर के हाई से अब तक निवेशकों के ₹47.5 लाख करोड़ डूब गए। निफ्टी के 17 प्रमुख सेक्टर इंडेक्स में से 11 इस समय 'करेक्शन' मोड में हैं। एनर्जी, ऑटो, पीएसयू, ऑयल, कंजम्पशन व एफएमसीजी सेक्टरों ने ज्यादा नुकसान झेला है। इंडेक्स में निफ्टी 50, निफ्टी 500, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स भी करेक्शन मोड में आ गया है और सितंबर 2024 के हाई से 10% से अधिक गिर चुका है।

महंगाई बढ़ी: अक्टूबर में महंगाई दर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई जो 14 महीने में सबसे अधिक है। इससे दिसंबर में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को झटका लगा।

मजबूत डॉलर: 10 वर्षीय बॉन्ड अमरीकी बॉन्ड के यील्ड में उछाल और डॉलर के चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचने से विदेशी निवेशकों की बिकवाली को और बढ़ावा मिला।

खराब नतीजे: कंपनियों के सितंबर तिमाही के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

विक्रांत को पिता की मेज पर बिखरे सिगरेट के राख ने किया प्रेरित

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया है कि कैसे उनके पिता के लिए चार लोगों का पालन-पोषण चुनौतीभरा रहा। विक्रांत मैसी अपनी फिल्मों के जरिए एक भरोसेमंद अभिनेता के रूप में अपनी उपस्थिति मजबूत करते जा रहे हैं। वो अपनी पिछली '12वीं फेल' की सफलता के बाद से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर चर्चा बटोर रहे हैं। हाल में ही बरखा दत्त के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी पारिवारिक चुनौतियों के बारे में बात की है, जिसमें उन्होंने बताया कैसे उनके पिता की अपनी चुनौतियों की वजह से चार लोगों का पालन-पोषण करना काफी कठिन था। इस बातचीत के दौरान उन्होंने याद किया कि कैसे उनके पिता के कार्यालय में एक परेशान करने वाले अनुभव ने उन्हें 17 साल की उम्र में काम करना शुरू करने के लिए प्रेरित किया। अभिनेता ने बताया कि उनके पिता एक संपन्न और सफल परिवार से थे, जो पारिवारिक झगड़े के कारण खत्म हो गया। उन्होंने इसे क्लासिक 1970 की कहानी बताते हुए कहा कि झगड़े के बाद उनके पिता उस तरह से फिर से नहीं जी पाए, जैसा वो चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपनी क्षमता के अनुसार जो कुछ भी कर सकते थे, किया। विक्रांत ने आगे कहा कि बड़े होने के दौरान उन्हें पैसे की अहमियत और इससे मिलने वाले सम्मान का एहसास हुआ। द साबरमती रिपोर्ट अभिनेता ने स्वीकार करते हुए कहा कि वह अपने बड़े भाई के विपरीत अपने जीवन में समझौता नहीं करना चाहते थे। अभिनेता ने आगे बताते हुए कहा कि 17 साल की उम्र में जब उन्हें पैसों की सख्त जरूरत थी, तो वह अपने पिता के दफ्तर गए थे। उन्हें वहां एक शानदार डेस्क और एक सुखद माहौल की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने अपने पिता की मेज पर सिगरेट की राखों का ढेर देखा, जिससे वो काफी परेशान हो गए, क्योंकि तब उन्होंने अपने पिता की आंखों में और उनके हालात को महसूस किया था। अभिनेता ने इस वाकये को आगे बढ़ाते हुए कहा, तभी मुझे एहसास हुआ कि एक भूमिका उलटना पड़ेगा। धन-संपत्ति से भरपूर बेहतरीन जीवन जीने के पीछे अपनी अन्य प्रेरणाओं पर आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं घिसे-पिटे कपड़े, यहां तक कि जूते भी पहनने से तंग आ चुका था। कपड़े पहनना कोई बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन जब आपको किसी और के जूते पहनने पड़ते हैं, तो यह भयानक होता है। चाहे मैं उन्हें कितना भी साफ कर लूं, फिर भी उनमें से किसी और की बदबू आती रहती है। अभिनेता ने कहा कि उनके पास जूते तक खरीदने के पैसे नहीं होते थे, तब वह 100 रुपये की टी-शर्ट खरीदते थे।

ढूंढने से भी नहीं मिल रही नोरा की नई फिल्म 'मटका'

इन दिनों नोरा फतेही की टीम का पूरा जोर इसी बात पर रहता है कि किसी तरह लोग उनके अभिनय के बारे में लिखना शुरू कर दें। और, ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी छवि हिंदी सिनेमा और साउथ सिनेमा में आइटम डांस नंबर करने वाली हीरोइन की बन चुकी है। नोरा फतेही कनाडा से हैं। शूटिंग के समय लोग उन्हें 'कनाडा कुमारी' भी कहकर बुलाते हैं। एक बड़े फिल्म निर्माता का उन्हें वरद हस्त हासिल है, लेकिन इसके बावजूद उनकी नई फिल्म को सिनेमाघर वाले रिलीज करने को तैयार नहीं दिखते। इस हफ्ते साउथ सिनेमा की दो फिल्मों का बॉक्स ऑफिस पर सीधा मुकाबला है। देश भर में खूब प्रचारित प्रसारित की गई फिल्म 'कंगुवा' से दर्शकों के साथ साथ ट्रेड को भी बहुत ज्यादा उम्मीदें रही हैं। फिल्म का बजट करीब 350 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में तमिल सिनेमा के सबसे बड़े सितारों में से एक सूर्या हैं। उनके साथ फिल्म 'एनिमल' के बाद बड़े परदे पर दूसरी बार विलेन बने बॉबी देओल भी है। साथ में दिशा पाटनी, योगी बाबू और तमाम दूसरे सितारे हैं। फिल्म गुरुवार को देश दुनिया में रिलीज हो चुकी है। सबसे ज्यादा शोज भी इसी फिल्म को मिले लेकिन फिल्म की हालत पहले दिन से ही खराब होती दिख रही है।

अनुपम के अभिनय की कायल हुईं किरण खेर

अनुपम खेर की पत्नी किरण खेर ने हाल ही में विजय 69 में शानदार अदाकारी के लिए अपने पति की जमकर तारीफ की। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई उनकी फिल्म दर्शकों को काफी ज्यादा पसंद आ रही है। इस बीच किरण ने न केवल फिल्म में उनके किरदार के लिए, बल्कि सिनेमा के प्रति उनके अटूट दृढ़ संकल्प और प्यार के लिए भी सराहना की है। शुरुआती दिनों को याद करते हुए किरण ने कहा, शिमला के एक युवा लड़के को सिनेमा से बहुत प्यार था और अपनी पहचान बनाने की भी चाहत थी। इसी छोटे से सपने के साथ अनुपम ने अपनी शुरुआत की। उनका सफर असाधारण रहा है। उन शुरुआती दिनों में उन्होंने ऐसी भूमिकाएं निभाई जो दूसरे नहीं किया करते थे। उन्हें अक्सर अस्वीकृति और वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, फिर भी वे आगे बढ़ते रहे। नेटफ्लिक्स और वाईआरएफ एंटरटेनमेंट की विजय 69 अनुपम खेर के करियर में एक महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि यह फिल्म उनके कलात्मक विकास के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत विकास को भी दर्शाती है।

बंद कमरे में मिली थी दंपती की झुलसी हुई लाश

हादसा या आत्महत्या, अलग-अलग पहलुओं पर पुलिस कर रही जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित जाटखेड़ी में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसने से दंपती की मौत के मामले में पुलिस ने अलग अलग पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस का अनुमान है कि दंपती हादसे का शिकार हुए है, जबकि परिजन के बयान और आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद पुलिस की जांच आत्महत्या की ओर भी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक रिपोर्ट और पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि नई बस्ती जाटखेड़ी निवासी सतीश बिराड़े (26) और उसके माता-पिता व भाई-बहन समेत परिवार के सभी लोग पिपलानी इलाके में फूल बेचते हैं। करीब तीन साल पहले

सतीश की शादी महाराष्ट्र निवासी आमृपाली (24) से हुई थी। सतीश जाटखेड़ी में माता पिता के मकान के बगल में एक कमरा बनाकर पत्नी के साथ रह रहा था। गुरुवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे पड़ोसियों ने सतीश के कमरे से धुआं उठता देखा। पड़ोसियों ने उसके परिजन को सूचना दी। घर का दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर गए तो बिस्तर पर सतीश और आमृतपाली के शव बुरी तरह झुलसी हालत में पड़े मिले। सूचना मिलते ही थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।

बेड जलकर खाक अंदर रखे बर्तनों पर पड़े मिले शव

आगजनी की घटना में घर में रखा फ्रिज, कूलर व अन्य इलेक्ट्रानिक सामान समेत गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। जिस सिंगल बेड (पेटीनुमा दीवान) पर सतीश व आमृपाली सोए हुए थे, उसका प्लाईबोर्ड भी पूरी जलकर राख हो गया था। प्लाईबोर्ड जलने से दंपति के शव दीवान की पेटी में रखे बर्तनों पर जा गिरे थे। दंपती के शव सोती हालत में मिले हैं।

इंजीनियरिंग छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, नहीं मिला सुसाइड नोट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित मानक विहार आनंद नगर में इंजीनियरिंग के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मचूर्री में रखवा दिया है। शुक्रवार दोपहर तक परिजन के भोपाल पहुंचने की उम्मीद है। उनके पहुंचने के बाद छात्र का पीएम कराया जाएगा। घटनास्थल से सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके।

पुलिस के अनुसार समोद मंडल मूलत~ बिहार के रहने वाले हैं। उनका यहां मानक विहार, आनंद नगर में मकान है। मकान में ऊपर वाले हिस्से में उन्होंने अलग अलग कमरे बना लिए है। उक्त कमरे में बिहार से आने वाले छात्रों को किराए पर दे रखें हैं। समोद मंडल ने बताया कि ईशू रंजन पिता दिनकर शर्मा

(18) मूलत~ बिहार का है और दो दिन पहले ही भोपाल आया था। बुधवार रात ईशू ने खाना खाया और सो गया। सुबह छात्रों की नींद खुली और वह अपने अपने काम से निकल गए। गुरुवार दोपहर डेढ़ बजे तक ईशू के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उसे आवाज दी गई थी, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। अनहोनी की आशंका होने पर समोद ने छात्रों की मदद से दरवाजे को धक्का देकर खोल लिया। कमरे में ईशू की लाश गमछे का फंदे पर लटकती हुई नजर आई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव मचूर्री भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि परिजन के बयान दर्ज होने पर आत्महत्या के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

पुलिस ने महिला और उसके दो साथियों को भी किया गिरफ्तार

शहर के कटारा हिल्स से अगवा हुई नाबालिग हरियाणा से बरामद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स पुलिस ने इलाके से अगवा हुई 17 साल की नाबालिग को हरियाणा के कैथल जिले से दस्तयाब किया है। नाबालिग ने बयान में बताया कि उसकी सहेली बहला-फुसलाकर उसे साथ ले गई थी। उक्त मामले में पुलिस ने सहेली और वारदात में साथ देने वाले सहेली के दो साथियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने नाबालिग की शादी कुरावर में करवा दी थी।पुलिस के अनुसार मूलरूप से जिला नर्मदापुरम निवासी 38 साल की महिला अपने परिवार के साथ कटारा हिल्स क्षेत्र में रहती हैं। 8 जनवरी 2024 को उन्होंने अपनी 17 साल की नाबालिग बेटी के अपहरण की शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि कोई अज्ञात व्यक्ति बहला-फुसलाकर बेटी को ले गया है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपहरण कर प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू कर दी। इस बीच तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तलाश करती हुई पुलिस हरियाणा के कैथल जिला पहुंची। वहां से नाबालिग को दस्तयाब कर लिया गया। पुलिस ने कैथल से ही आरोपी आकांक्षा राजपूत व मनोज वर्मा को भी हिरासत में लिया है। पुलिस उक्त तीनों को लेकर कटारा हिल्स थाने पहुंची। इस बीच पता चला कि आरोपी सूरज मेहरा भोपाल से दक्षिण भारत की ओर भागने की तैयारी कर रहा है। लिहाजा घेराबंदी कर पुलिस ने सूरज मेहरा को भोपाल स्टेशन से पकड़ लिया।

सहेली ने जबरन करा दी थी शादी

कुरावर में आरोपी से करा दी शादी

नाबालिग ने अपने बयान में बताया कि सहेली आकांक्षा राजपूत (21) कटारा हिल्स अपने साथ ले गई थी। आकांक्षा ने उससे कहा था कि कुछ दिन घूमने के बाद लौट आएंगे। आकांक्षा और नाबालिग के साथ उनके दो दोस्त मनोज वर्मा (21) और सूरज मेहरा (21) दोनों निवासी कुरावर जिला राजगढ़, भी उनके साथ जिला कैथल हरियाणा गए थे। सूरज व मनोज वहां मेहनत-मजदूरी कर रहे थे। कुछ दिन बाद आकांक्षा व नाबालिग समेत चारों कुरावर जिला राजगढ़ का गए। वहां आकांक्षा ने नाबालिग की शादी सूरज मेहरा से करा दी। शादी कराने के बाद चारों दोबारा कैथल हरियाणा चले थे। इस बीच महिला समेत तीनों आरोपी उक्त नाबालिग को मोरबी गुजरात समेत अन्य स्थानों पर घुमाते रहे।

कार की टक्कर से स्कूटर सवार तीन लोग घायल

भोपाल। हनुमानगंज इलाके में कार की टक्कर से स्कूटर सवार तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक यूनिस खान (57) करीबम बक्श कालोनी गौतम नगर में रहते हैं और फर्नीचर का काम करते हैं। मंगलवार रात करीब साढ़े दस बजे वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ स्कूटर से कबाडखाना से अपने घर लौट रहे थे। आशीर्वाद होटल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी।

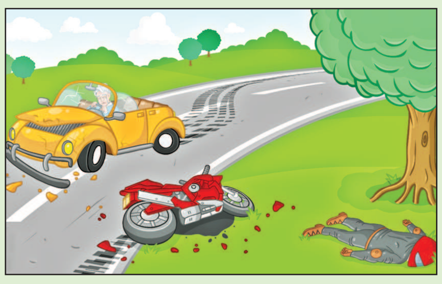

टक्कर लगते ही तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पत्नी और बेटे को कम चोट आई, जबकि यूनिस खान को गंभीर चोट लगी। उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बुजुर्ग महिला से मारपीट कर मोबाइल तोड़ा

भोपाल। जहांगीराबाद में रहने वाली एक बुजुर्ग महिला के साथ युवक ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी और फोन छीनकर जमीन पर पटक कर तोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक जहांगीराबाद में रहने वाली शबाना बी (58) गृहणी हैं। बुधवार की शाम को वह घर पर थी, तभी मोहल्ले में रहने वाला गोपाल नामक युवक उनके घर के सामने गाली-गलौज करने लगा। महिला ने उसे ऐसा करने से मना किया तो उसने उनके साथ मारपीट कर दी। शबाना अपने मोबाइल से पुलिस को फोन लगाने लगी तो उसने फोन छीनकर जमीन पर पटक दिया, जिससे मोबाइल टूट गया। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी धमकी देते हुए भाग निकला।

अवैध शराब के साथ युवक पकड़ाया

भोपाल। रातीबड़ पुलिस ने एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 34 हजार की शराब और वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक मुंगालिया छाप नदी के पास बाइक सवार एक युवक को चैकिंग के लिए रोका गया तो उसकी बाइक पर 344 क्वार्टर देशी शराब रखी मिली। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम संजीव यादव निवासी रातीबड़ बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर शराब और बाइक जब्त कर ली है। इधर मिसरोद पुलिस ने महेश मालवीय को डेढ़ हजार रुपये की अवैध शराब के साथ पकड़ा है।

लैपटाप और जेवरात समेत लाखों का सामान चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

केरला एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक युवक का बैग सीट पर छूट गया। बाद में पता चला कि उक्त बैग चोरी हो चुका है। बैग में लैपटॉप और जेवरात समेत करीब एक लाख रुपये का सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार दो अन्य युवकों को कीमती मोबाइल फोन चोरी हो गए। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शाहपुरा भोपाल निवासी संजय कुमार सिंह केरला एक्सप्रेस में इटारसी से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। भोपाल स्टेशन आने पर वह ट्रेन से उतर गए। फुटओवर ब्रिज पर पहुंचने पर पता चला कि उनका एक पिट्ठू बैग ट्रेन में ही छूट गया है। वह दौड़कर प्लेटफार्म पर पहुंचे तो पता चला कि ट्रेन निकल चुकी है। ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ को उन्होंने घटना की जानकारी दी, जिसके बाद आरपीएफ ने बीना स्टेशन पर चैक करवाया। उस दौरान सीट पर रखा बैग नहीं मिला। बाद में संजय ने जीआरपी जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। चोरी गए बैग में 60 हजार रुपए कीमत का लैपटाप, सोने की कान बालियां, सोने का मंगलसूत्र, सोने की गले की कंठी, पत्नी का आधार कार्ड, उनका पासपोर्ट, कपड़े समेत करीब एक लाख रुपये का सामान रखा हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी~ बिहार निवासी कुमार सौरव भोपाल में रहते हैं। गत दिवस वह पटना अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना से संत हिरदाराम नगर स्टेशन की यात्रा कर रहे थे।

विदिशा स्टेशन पर उन्होंने अपना मोबाइल फोन पैंट की जेब में रखा और सो गए। ट्रेन संत हिरदाराम नगर स्टेशन पर रुकी तो उनकी जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 20 हजार रुपए बताई गई है। जीआरपी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ट्रेन में युवक का मोबाइल चोरी देवास निवासी प्रवीण गायकवाड़ बुधवार को उज्जैन भोपाल पैसेंजर ट्रेन में कालापीपल से भोपाल की यात्रा कर रहे थे। उन्होंने अपना मोबाइल फोन पैंट की जेब में रखा था। कालापीपल से ट्रेन चलने के करीब पंद्रह मिनट बाद ही उनकी नींद लग गई। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन आने से करीब बीस मिनट पहले नींद खुली तो जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 25 हजार रुपये बताई गई है। भोपाल स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद उन्होंने जीआरपी जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

स्कोडा से चरस की तस्करी, महिला समेत तीन क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी अभियान के तहत राजधानी की क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई की है। क्राइम ब्रांच ने स्कोडा कार से चरस की तस्करी करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों से 8 किलो 400 ग्राम चरस बरामद की है। एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खजूरी सड़क स्थित ग्राम बरखेड़ा सालम जोड़ के पास दिल्ली पासिंग की स्कोडा कार को घेराबंदी कर पकड़ा गया। कार में एक महिला और दो युवक थे। उनकी पहचान आमिर कुरैशी (52) निवासी हनुमानगंज, प्रतीक मिश्रा (36) निवासी पिपलानी और जाहिदा कुरैशी (48) निवासी हनुमानगंज के रूप में की गई। कार की तलाश लेने पर 8 किलो 400 ग्राम चरस मिली। चरस को जब्त कर लिया गया है। साथ ही चरस की तस्करी में इस्तेमाल स्कोडा कार भी जब्त की है। जब्त चरस की कीमत 8 करोड़ 40 लाख रुपए है। इसके अलावा तस्करों के पास से 2 लाख रुपए नगदी, 5 मोबाइल भी जब्त किए है। एडिशनल डीसीपी ने चरस, नगदी मोबाइल और कार समेत कुल 8 करोड़ 60 लाख रुपए का माल जब्त हुआ है। तस्करों से पूछताछ की जा रही कि इतनी बड़ी मात्रा में वे चरस कहां से लेकर आए थे और कहां सप्लाई देनी थी।

कर्ज से परेशान होकर कारोबारी ने लगाई फांसी

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित गेहूंखेड़ा में चर्च के सामने रहने वाले एक कारोबारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी लाश उनकी पत्नी ने बाउंड्री वॉल पर लगी एंगल पर दुपट्टे के फंदे पर लटकी देखी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश बरामद कर पीएम के लिए भेज दी है। मृतक के पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई कि उन्होंने लोंग इलायची का नया कारोबार शुरू किया था। कारोबार के लिए उन्होंने लोन लिया था। लोन की किश्त ठीक से चुका नहीं पाने के कारण वह तनाव में थे। पुलिस के अनुसार 58 साल के जूड माइकल गेहूंखेड़ा में चर्च के सामने किराए के मकान में रहते थे। उनके परिवार में बेटा शुभम और पत्नी है। पत्नी निजी स्कूल में पढ़ाती है। बेटा पढ़ाई कर रहा है। गुरुवार सुबह जूड माइकल की पत्नी ड्यूटी गई थी, जबकि बेटा कॉलेज चला गया। दोपहर करीब ढाई बजे के आसपास जूड की पत्नी स्कूल से लौटी तो उन्होंने घर की बाउंड्री में एंगल पर दुपट्टे के सहारे जूड माइकल की लाश फांसी के फंदे पर लटकी देखी। उनकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग आ गए और पुलिस को सूचना दी गई।

निगरानी बदमाश ने बुजुर्ग का मोबाइल झपटा, पुलिस ने चंद घंटे के अंदर किया गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित सब्जी मंडी के टीनशेड में सो रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति को धमकाकर हिस्ट्रीशीटर बदमाश मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने बुजुर्ग की शिकायत पर झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी को चंद घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में चोरी, मारपीट और आर्म्स एक्ट के दर्जनभर अपराध दर्ज हैं। थाना प्रभारी बिजेंद्र निगम ने बताया कि फूलसिंह माली (65) छाया किराना स्टोर के पास चांदबड़, स्टेशन बजरिया में रहते हैं और सब्जी का व्यवसाय करते हैं। मंगलवार को वह कटारा हिल्स के बर्राई स्थित सब्जी मंडी में दुकान लगाने पहुंचे थे। यह मंडी कुछ दिनों पहले ही शुरू हुई है।

शाम को सब्जी बेचने के बाद फूलसिंह मंडी में बने शेड में सो गए। रात करीब डेढ़ बजे वह बाथरूम जाने के लिए उठे तो एक बदमाश उनके पास पहुंचा और डरा-धमकाकर उनका मोबाइल छीनकर ले गया। सुबह होने पर फूलसिंह ने आसपास के लोगों को घटना की

जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने फूलसिंह से पूछताछ की तो उन्होंने पूरी घटना की जानकारी दी। उसके बाद पुलिस ने मोबाइल झटपने का मामला दर्ज कर लिया।

आरोपी से मोबाइल और 2 सौ रुपए बरामद

थाना प्रभारी निगम ने बताया कि आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि उक्त वारदात को अजय गोल्डन ने अंजाम दिया है। अजय गोल्डन सब्जी मंडी के सामने ही रहता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उससे लूटा गया मोबाइल और दो सौ रुपए बरामद किए है।

इधर, शाहपुरा थाना क्षेत्र स्थित गुलमोहर कॉलोनी में बुधवार रात निजी बैंक के कर्मचारी से मोबाइल झपटने वाले बदमाश का सुराग नहीं लग सका है। लूट के बाद बैंककर्मी ने उसका पीछा किया था, ललेकिन बाइक सवार तेजी से बाइक लेकर भाग निकला था। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटैज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र रघुवंशी (28) गुलमोहर कालोनी शाहपुरा में रहते हैं और प्रायवेट बैंक की फायनेंस शाखा में नौकरी करते हैं। बुधवार की रात करीब 8 बजे वह घर के सामने टहल रहे थे। इसी दौरान किसी परिचित का कॉल आ गया। वह बातचीत करते हुए टहलने लगे। धर्मेंद्र मुख्य सड़क तक पहुंचे ही थे कि पीछे से बाइक पर आए एक बदमाश ने उनके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल झपट लिया। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाश ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। धर्मेंद्र ने शोर मचाते हुए उसका पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन बदमाश भाग निकला।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022